卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐
उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्निं जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये
केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त
हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 23 ♦अंक 297 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦शुक्रवार ♦4 अगस्त 2023 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

भूस्खलन से कई लोग लापता

चार लोगों के शव बरामद, अन्य की तलाश जारी

रूद्रप्रयाग (उद संवाददाता)। यहां स्थित गौरीकुंड में भारी भूस्खलन से करीब 19 लोग लापता हो गये जिनमें से चार के शव बरामद कर लिये हैं। अन्य की तलाश की जा रही हैं। मौके पर रेस्क्यू के लिए टीम सर्च अभियान में जुटी है।जानकारी के अनुसार पिछले कई दिनों से बारिश का कहर जारी है। पहाड़ों पर बारिश आफत रही है। लगातार हो रही बारिश के बीच चट्टान टूटने की सूचना देर रात मिली थी, जिसके बाद एसडी आरएफ सहित जिला प्रशासन की टीम मौके पर रेस्क्यू के लिए पहुंची थी, लेकिन रात को रेस्क्यू करने में आ रही दिक्कतों के कारण अभियान को रोकना पड़ा। इसके बाद सुबह फिर से रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया, लेकिन लगातार बारिश चुनौती बनी हुई है। पहले 8 से 10 लोगों के लापता होने की सूचना आ रही थी, बाद में संख्या बढ़ गई है। फिर पता चला कि 19 लोग लापता हुए हैं। लापता लोगों में बीर बहादुर पुत्र हरि बहादुर, सुमित्रा पत्नी बीर बहादुर, निशा पुत्री बीर बहादुर निवासी ग्राम व थाना राया जिला होमला आंचल करनाली, नेपाल, धर्मराज बूढ़ा पुत्र मुन बहादुर निवासी पेरे वार्ड नंबर–2 थाना दिल्ली चौरा (शेष पृष्ठ सात पर)

ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से महिला बैंक कर्मी की मौत

■ बच्ची को स्कूल छोड़कर ड्यूटी के लिए जा रही थी बैंक

काशीपुर(उद संवाददाता)। आईटीआई थाना क्षेत्र के मोहल्ला जसपुर खुर्द इलाके में गैस गोदाम के समीप सुबह स्कूटी सवार महिला की अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक महिला बैंक कर्मी है। पुलिस को घटना की जानकारी मिलने पर उसने तत्काल मौके पर पहुंचकर मृतका के शव को कब्जे में लेकर उसे पीएम हाउस भेज दिया जहां से पोस्टमार्टम के बाद मृतका के शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। आरोपी ट्रैक्टर चालक फरार बताया जा रहा है। घटनास्थल के पास लावारिस हालत में खड़े ट्रैक्टर ट्राली को पुलिस ने कब्जे में ले लिया। हृदय विदारक तरीके से घटित घटना के बारे में पता चला है कि कुंडेश्वरी स्थित अपना घर नामक पॉश कॉलोनी में रहने वाली 32 वर्षीय पूनम कुशवाहा पत्नी रवि प्रकाश मुरादाबाद रोड स्थित एक बैंक में सर्विस करती थी। आज सुबह लगभग 10 बजे वह अपनी 3 वर्षीय पुत्री को स्कूल छोड़कर स्कूटी से बैंक जा रही थी इसी दौरान आईटीआई (शेष पृष्ठ सात पर)

मासूम बालिका को स्कूल बस ने कुचला, मौत

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। आज प्रात: प्रीत विहार गली नंबर चार में घर के आगे खेला रही सात वर्षीय बालिका को एक निजी स्कूल के बस चालक ने लापरवाही बरतते हुए पिछले टायर से कुचल दिया। जिससे बालिका की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों के साथ ही भारी संख्या में कालोनी वासी वहां आ पहुंचे। पुत्री का लहुलूहान हालत में शव पड़ा देख परिजनों में कोहराम मच गया। रोषित लोगों ने मौके पर हंगामा शुरू कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाल विक्रम राठौर पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर आ गए और उन्होंने शव को अपने कब्जे में लेकर वहां खड़े लोगों तथा परिजनों से आवश्यक जानकारी ली। जानकारी के अनुसार प्रीत विहार कालोनी गली नम्बर 5 निवासी मूल निवासी ग्राम बमनपुरा बिलासपुर दिव्यांग पवन शर्मा पत्नी, एक पुत्री, दो पुत्रों व परिवार के साथ किरायेदार के रूप में रहकर मजदूरी करता है। उसकी 7 वर्षीय पुत्री नेहा शर्मा आ प्रात: घर के बाहर खेल रही थी। तभी जीडी गोयनका स्कूल की बस संख्या यूके 07 पीए 3618 आई जिसे एक वृद्ध ड्राइवर चला रहा था। ड्राइवर द्वारा जब बस को बैक किया गया (शेष पृष्ठ सात पर)

विधायक अरोरा ने स्कूल प्रबंधन से दिलाया मुआवजा

रुद्रपुर। आज सुबह प्रीत बिहार क्षेत्र में स्कूल बस से कुचल कर 7 वर्षीय छात्रा की मौके पर हुई मृत्यु की सूचना मिलने पर क्षेत्रीय विधायक शिव अरोरा घटना स्थल पर पहुँचे । उन्होंने मृतक छात्रा के परिजनों से मुलाकात कर उनको ढांढस बंधाया। विधायक ने परिजनों को कहा इस घटना में स्कूल बस चालक की घोर लापरवाही नजर आयी है। विधायक शिव अरोरा ने कोतवाल विक्रम राठौर को चालक के खिलाफ आपराधिक मामले में मुकदमा दर्ज करने को कहा। श्री अरोरा ने परिवार की सहमति पर स्कूल स्वामी को मौके पर बुलाकर आर्थिक मदद भी (शेष पृष्ठ सात पर)

गर्भवती महिला ने फांसी लगाकर दी जान

रामनगर(उद संवाददाता)। रामनगर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम शिवलालपुर पांडे में एक गर्भवती महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि मृतका का विवाह इसी वर्ष 27 जनवरी को उक्त गांव में रहने वाले अमित कुमार अग्रवाल के साथ हुआ था। मृतका पुष्पा कुशवाह जो कि मूल रूप से जसपुर क्षेत्र की रहने वाली थी। मृतका का पंचायत नामा तहसीलदार कुलदीप पांडे की मौजूदगी में पुलिस द्वारा भरने की कार्रवाई की गई। मामले में तहसीलदार कुलदीप पांडे ने बताया कि उनकी मौजूदगी में शव का पंचायत गांव बनने की कार्रवाई की गई है तथा उन्होंने बताया कि मृतक महिला 2 से 3 माह की गर्भवती थी उन्होंने बताया कि अज्ञात कारणों के चलते महिला ने पंखे से लटककर फांसी लगाते (शेष पृष्ठ सात पर)

फंदे पर लटकी मिली नव विवाहिता, हत्या का आरोप

शादी के बाद से ही दहेज के लिए करते थे बुरी तरह प्रताड़ित

काशीपुर(उद संवाददाता)। नवविवाहिता की बेहद संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। उसका शव दुपट्टे के सहारे फांसी पर झूलता पाया गया। पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मृतका के परिजनों का आरोप है कि नवविवाहिता की सुनियोजित तरीके से हत्या करने के बाद उसे आत्महत्या का रूप देने के लिए फांसी पर टांग दिया गया। पुलिस मामले की गहन जांच पड़ताल में जुटी है। घटना के बारे में पुलिस को तहरीर देकर ग्राम हरियावाला थाना कुंडा निवासी लाख सिंह पुत्र राम किशोर ने बताया कि उसने अपनी 24 वर्षीया पुत्री राजबाला की शादी वर्ष 2019 की 11 मार्च को ढकिया गुलाबो काशीपुर निवासी धर्म वीर पुत्र रामचंद्र के साथ धूमधाम से किया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि शादी के कुछ दिन ठीक–ठाक बीते इसके बाद नव विवाहिता को दहेज की खातिर ससुराल वालों द्वारा बुरी तरह प्रताड़ित किया जाने लगा। इस बीच कई बार दोनों पक्षों के लोगों द्वारा समझौते का भी प्रयास किया लेकिन ससुराल वाले हरकत से बाज नहीं आए वह विवाहिता को लगातार प्रताड़ित करते रहे। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि गत 3 अगस्त की रात्रि लगभग 10 बजे फोन पर सूचना मिली की उसके बेटी की मृत्यु हो चुकी है। परिजनों को लेकर फौरन जब वह पुत्री के घर पहुंचा तो बेटी का शव (शेष पृष्ठ सात पर)

अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। चौकी रम्पुरा क्षेत्र श्मशान घाट के पास अज्ञात शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया। जानकारी के मुताबिक गुरुवार की रात पुलिस को सूचना मिली कि श्मशान घाट के पास एक अज्ञात व्यक्ति पड़ा है। सूचना पर रम्पुरा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौका मुआयना किया। पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाल विक्रम राठौर ने (शेष पृष्ठ सात पर)

ट्रांजिट कैम्प थानाध्यक्ष व अन्य पर गिर सकती है गाज

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। गत दिवस ट्रांजिट कैम्प के मौहल्ला आजादनगर में दम्पत्ति की चाकू से गोद कर की गई निर्मम हत्या एवं उन्हें बचाने आई वृद्धा को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर देने के मामले में थाना पुलिस की कई लापरवाहियां उभरकर सामने आने के बाद इस बात की संभावना व्यक्त की जा रही है कि ट्रांजिट कैंम्प थानाध्यक्ष सहित कुछ अन्य पुलिस कर्मियों पर इसकी गाज गिर सकती है। गौर तलब है कि जिस प्रकार से डबल मर्डर करने तथा एक वृद्धा को गंभीर रूप से घायल कर देने के बाद हत्यारा आराम से क्षेत्र से भागने में कामयाब हुआ है उससे थाना पुलिस की रात्रि गश्त की कलई खुलकर सामने आ गई है। वहीं घटनास्थल आजाद नगर से लेकर मुख्य मार्गों को जोड़ने वाले सभी मार्गों पर मध्य रात्रि किसी भी पुलिस कर्मी को हत्यारे के भागने की भनक भी न लगना इस बात को दर्शाता है कि थाना पुलिस की घोर लापरवाही रही है। एक ओर आईजी व एसएसपी सभी पुलिस अधिकारियों को सामान्य बैठकों के साथ साथ मासिक अपराध समीक्षा बैठकों में रात्रि गश्त में कोई भी लापरवाही न बरतने के निर्देश देते रहते हैं। ताकि रात्रि में होने वाले अपराधों पर नकेल कसी जा सके और आपराधिक घटनाओं को अंजाम देकर भागने वाले शातिरों को दबोचा जा सके। इतना ही नहीं रात्रि में संदिग्ध रूप से घूमते मिलने वाले लोगों से सख्ती से पूछताछ करने और शक होने पर उसे पूछताछ के लिए हिरासत में लेने के भी निर्देश दिये गये हैं। लेकिन इस घटना में ऐसा कुछ भी होते नहीं मिला। जिस कारण हत्यारा पुलिस से बेखौफ भागने में कामयाब हो गया। अपनी ही घोर लापरवाही के कारण जब डबल मर्डर कांड का हत्यारा हाथ से निकल गया तो अब पुलिस उसे पकड़ने के लिए दिन रात एक किये हुए है। थाना पुलिस की इस लापरवाही से रोषित क्षेत्र वासियों का विश्वास पुलिस पर से उठता जा रहा है। ट्रांजिट कैम्प थाना क्षेत्र में अवैध शराब, देह व्यापार, सट्टेबाजी, नशीले पदार्थों की बिक्री, महिला अपराध, घरों व दुकानों में चोरी, हत्या, वाहन चोरी आदि अपराधों का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है। जिस पर नकेल कसने के लिए कोई ठोस कार्य नही किये जा रहे हैं। बल्कि घटनाओं के घटित होने के बाद ही पुलिस की नींद खुलती है। थाने में तमाम घटनाओं की रपट दर्ज न करने की चर्चा (शेष पृष्ठ सात पर)

कोतवाल ने अधीनस्थों के कसे पेंच

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। कोतवाल विक्रम राठौर अधीनस्थों के साथ बैठक के दौरान एक्शन में दिखे। बैठक में उन्होंने अधीनस्थों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। कहा कि

ड्यूटी को ड्यूटी समझें। कोतवाल ने अधीनस्थों से कहा कि शिकायतकर्ता की समस्या को गंभीरता से लेकर उसे संतुष्ट किया जाए। रात्रि गश्त के दौरान संदिग्धों व आपराधिक किस्म लोगों पर भी नजर रखी जाए। (शेष पृष्ठ सात पर)

उत्तराखंड में कौशल विकास के तहत टाटा कम्पनी आईटीआई संस्थानों में देगी ट्रेनिंग

राज्य कैबिनेट की बैठक में 30 मुद्दों पर हुई चर्चा

देहरादून(उद ब्यूरो)। सीएम धामी की अध्यक्षता में हुई उत्तराखंड कैबिनेट की बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लगायी गई है। बृहस्पतिवार को मुख्य सचिव एसएस संधू ने कैबिनेट में लिए गए फैसलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैबिनेट में 30 मुद्दों पर चर्चा हुई। ऊर्जा विभाग में 2008 में केंद्र सरकार के द्वारा जल विद्युत नीति लायी गयी थी। उसे आज तक लागू नहीं किया गया था जिसे आज कैबिनेट बैठक में लागू किया गया। इसमें 12 प्रतिशत बिजली की बजाय अब 13 प्रतिशत बिजली जल विद्युत परियोजनाओं से 1% जो अतरिक्त बिजली सरकार को मिलेगी उस पैसे को जल विद्युत परियोजना से प्रभावित लोगों को दिया जाएगा। वित्त विभाग में कई अधिकारियों के अधिकार को बढ़ाया गया है। मसूरी क्षेत्र को पूरी एक तहसील बनाये जाने की मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही पीडब्ल्यूडी विभाग के तहत नई नियमावली को मंजूरी दे दी गई है। नई शिक्षा नीति के तहत पहली कक्षा में एडमिशन के लिए एक अप्रैल को छह वर्ष होने पर मुहर लगी है। लघु सिंचाई विभाग की सेवा नियमावली में बदलाव

किया गया है। इसमें 75 की जगह 85 फीसदी पद सीधी भर्ती से भरे जाने को मंजूरी दे दी गई है। पुलिस दूरसंचार विभाग के ढांचे के पुनर्गठन को मंजूरी मिल गई है। 8700 ग्रेड पे केदो पद स्वीकृत हुए हैं। कैबिनेट ने 13 पीपीएस पदों कोध मंजूरी दे दी है। पशुपालन विभाग के तहत वेटरनरी कर्मियों को पहाड़ में सेवा देने के लिए कृत्रिम गर्भाधान के लिए प्रति कृत्रिम गर्भाधान पर राशि बढ़ाई गई है। इसके साथ ही उत्तराखंड में होने वाली राष्ट्रीय खेलों के लिए हाई पावर कमेटी का गठन किया गया है। कैबिनेट ने एमएसएमई विभाग की नई पॉलिसी में बदलाव किया गया है। पर्वतीय क्षेत्रों में सब्सिडी बढ़ाई गई है। मैदानी क्षेत्रों की तुलना में पहाड़ में सब्सिडी ज्यादा रखी गई है। अब प्रदेश में कौशल विकास के तहत टाटा कम्पनी आईटीआई संस्थानों में ट्रेनिंग देगी। इसके साथ ही मॉडल आईटीआई के रूप में आईटीआई संस्थान विकसित होंगे। टाटा ग्रुप सरकार के साथ मिलकर आईटीआई संस्थान चलाएगा। चौरासी कुटिया स्वर्गाश्रम का एचसीपी कंपनी फॉरेस्ट विभाग के साथ मिलकर विकास करेगी। कैबिनेट ने उत्तराखंड में ड्रोन पॉलिसी को मंजूरी दे दी है। हरिद्वार और ऋषिकेश शहरों को मास्टर प्लान के तहत विकसित किया जाएगा। छह महीने में इसकी डीपीआर तैयार कर ली जाएगी। कैबिनेट ने उच्च शिक्षा विभाग के तहत प्रधानाचार्य के पदों पर सीधी भर्ती को मंजूरी दे दी है। उच्च शिक्षा विभाग के तहत छात्र वृत्ति योजना में संशोधन किया गया है। अब फैकल्टी के मुताबिक 10% छात्रों को ही छात्रवृत्ति मिलेगी। प्रदेश में सभी धर्मों के लिए विवाह का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया गया है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ये फैसला लिया है।

सीएयू में धांधलियों पर हाईकोर्ट के तेवर तल्ख

अनियमितताओं को लेकर सरकार से मांगा जवाब

देहरादून(उद संवाददाता)। नैनीताल हाईकोर्ट ने क्रिकेट एसोसिएशन आफ उत्तराखंड (सीएयू) में अनियमितताओं को लेकर सरकार से जवाब तलब किया है। हाईकोर्ट ने कहा कि सीएयू में नेताओं और बिजनेसमैन का दखल है। हाइकोर्ट ने राज्य के खेल सचिव ने सीएयू की अनिमितिताओं को लेकर जवाब तलब किया है। मामले की सुनवाई 17 अगस्त होगी। हाईकोर्ट में यह जनहित याचिका आरटीआई एक्टिविस्ट एडवोकेट विकेश नेगी ने दाखिल की है।हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस विपिन सांघवी और जस्टिस राकेश थपलियाल ने सीएयू को लेकर दायर जनहित याचिका को स्वीकार कर लिया है। डबल बेंच ने इस संबंध में राज्य के खेल सचिव से जवाब मांगा है। मामले की पैरवी करने वाले एडवोकेट ललित सौड का कहना है कि अदालत ने माना कि सीएयू में सब कुछ ठीक नहीं है। अनियमितताएं हैं और इसमे कई राजनीतिज्ञों और नौकरशाहों का दखल है। उन्होंने कहा कि याचिका में कहा गया है कि सीएयू को बीसीसीआई से मान्यता मिलने के बाद से ही यहां बहुत सी वित्तीय और अन्य अनियमिताएं हुई हैं। भुगतान के साथ ही खिलाड़ियों के चयन में भी गोलमोल है। सीएयू के पदाधिकारियों पर पैसे लेकर टीम में स्थान देने के आरोप और केस हैं। एडवोकेट नलिन के अनुसार जनहित याचिका में प्रार्थना की गयी है कि देश के किन्हीं तीन पूर्व जजों की समिति से इस पूरे मामले की जांच करवाई जाए। कांफिलिक्ट आफ इंटरेस्ट वाले पदाधिकारियों को हटाया जाए और उनके चुनाव लड़ने पर रोक लगाई जाए। यह भी प्रार्थना की गयी है कि सोसायटी रजिस्ट्रार की इस पूरे मामले में संदिग्ध भूमिका रही है। ऐसे में रजिस्ट्रार के ऊपर प्रशासक बिठाया जाए। आरटीआई एक्टिविस्ट एडवोकेट विकेश नेगी का कहना है कि जब पिछले चार साल में पूरे प्रदेश में एक भी पिच नहीं बनी और न ही स्टेडियम तो सीयूए ने बीसीसीआई से मिले लगभग 50 करोड़ रुपये कहां खर्च किये? सीएयू के पदाधिकारी भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे है उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट से प्रदेश के खिलाड़ियों को इंसाफ मिलेगा।

नैनी सैनी हवाई अड्डे का संचालन एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा किया जायेगा

देहरादून(उद संवाददाता)। पिथौरागढ़ स्थित नैनी सैनी हवाई अड्डे का विकास, संचालन एवं प्रबंधन अब एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा किया जायेगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में आज सचिवालय में एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विभाग के मुख्य कार्याधिकारी श्री सी. रविशंकर तथा एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के एक्जक्यूटिव डायरेक्टर श्री एन.वी. सुब्बारायडू के मध्य एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित किया गया।मुख्यमंत्री ने कहा कि नैनी सैनी एयर पोर्ट के संचालन, रखरखाव, विकास एवं प्रबंधन के लिये पूर्व में उन्होंने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से अपेक्षा की थी कि एयरपोर्ट को अपग्रेड करने तथा बेहतर प्रबंधन के लिए एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया को हैंडओवर कर दिया जाए। मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट अथॉरिटी व एक्जक्यूटिव डायरेक्टर से नैनी सैनी हवाई अड्डे से विमान सेवा के संचालन में शीघ्रता की अपेक्षा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुमाऊँ की एयर कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए पंतनगर में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट प्रस्तावित है। उन्होंने पंतनगर एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित नये अलाइनमेंट का ओएलएस सर्वे करने की भी एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारियों से अपेक्षा की। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूडी, एयरपोर्ट अथॉरिटी के ऑपरेशन हेड श्री समीर सिंह, देहरादून एयरपोर्ट के निदेशक श्री प्रभाकर मिश्रा आदि उपस्थित थे।

हाईवे किनारे से हटाया जाएगा अतिक्रमण

नदियों के किनारे वन विभाग की भूमि पर कब्जामुक्त कराई गई 2507 एकड़ भूमि

देहरादून। नदियों के किनारे वन विभाग की भूमि पर हुए अतिक्रमण के खिलाफ बीते एक माह से अभियान चलाया जा रहा है। वन विभाग ने सेटेलाइट व भौतिक निरीक्षण के आधार पर बड़ी संख्या में अतिक्रमण चिह्नित किया था, जिसके तहत अब तक की कार्रवाई में 2507 एकड़ वन भूमि मुक्त करा दी गई है। इस दौरान वन विभाग की ओर से 23 छोटी नदियों के किनारे ही 500 एकड़ भूमि कब्जा मुक्त कराई गई।उत्तराखंड में बीते तीन माह से अधिक समय से वन क्षेत्र में अवैध कब्जों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। धर्मस्थल के नाम पर किए गए अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया, जिसमें कुल 510 अवैध धर्मस्थल हटाए गए। इनमें 453 मजार और 45 मंदिर शामिल हैं। इस दौरान वन विभाग ने 741 हेक्टेयर से अधिक भूमि को कब्जामुक्त कराया गया। इसके बाद दूसरे चरण में करीब एक माह पूर्व नदियों के किनारे कार्रवाई शुरू की गई। नोडल अधिकारी मुख्य वन संरक्षक पराग मधुकर धकाते ने बताया कि नदियों के किनारे अभियान में 2507 एकड़ भूमि मुक्त कराया गया। खनन करने वाले मजदूरों की ओर से नदी किनारे ही बस्तियां बना दी जाती हैं। प्रदेश में नदियों के किनारे 30 से 40 प्रतिशत कब्जे हैं। इसके अलावा प्रदेशभर में वन विभाग की 29193 एकड़ भूमि पर अतिक्रमण होने की पुष्टि हो चुकी है, जिसे मुक्त कराने को कार्रवाई की जा रही है। हाई कोर्ट की ओर से उत्तराखंड में नेशनल व स्टेट हाईवे सहित अन्य सड़कों के किनारे सरकारी और वन भूमि पर किया गया अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए हैं। इस क्रम में सभी डीएफओ अपने स्तर पर कार्रवाई में जुट गए हैं। इन नदियों के किनारे चला विशेष अभियान प्रदेश में गौला, खो, सुखरो, शीतला, शारदा, नंधौर, दाबका, कोसी, गंगा, रिस्पना, चोरखाला नाला, स्वर्णीना नदी, आसन के बरसाती नाले, जाखन, मालदेवता, यमुना, टोंस, सहस्त्रधारा, आसन, मालन, कालसी व गंगा की सहायक नदियों के किनारे अतिक्रमण हटाया जाएगा।

हेरिटेज टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में विकसित होगी चौरासी कुटिया

देहरादून। ऋषिकेश के स्वर्गाश्रम स्थित ऐतिहासिक स्थल चौरासी कुटिया को हेरिटेज टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए एचसीपी डिजाइन मैनेजमेंट कंपनी मास्टर प्लान तैयार करेगी। तीर्थनगरी में महर्षि महेश योगी की तपस्थली चौरासी कुटिया में दुनिया के प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय बैंड ग्रुप बीटल्स की याद से जुड़ी है। देश दुनिया के पर्यटक चौरासी कुटिया आते हैं, लेकिन अभी यह स्थल पर्यटन के लिहाजा से विकसित नहीं हो पाया है। अब सरकार ने इंटरनेशनल हेरिटेज टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। चौरासी कुटिया राजाजी टाइगर रिजर्व क्षेत्र में होने से वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से भी अनुमति ली जाएगी।

सरकार ने घोषित किया सी ग्रेड सेब और नाशपाती का न्यूनतम समर्थन मूल्य

देहरादून(उद संवाददाता) उत्तराखंड सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए सेब और नाशपाती (गोला) का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित कर दिया है। इस बार सरकार ने एमएसपी में एक रुपये की बढ़ोतरी की है। सी ग्रेड सेब का 12 रुपये और नाशपाती की न्यूनतम कीमत सात रुपये प्रति किलो तय किया है। प्रदेश में 25,785 हेक्टेयर भूमि पर सेब का उत्पादन किया जाता है। प्रतिवर्ष 62 हजार मीट्रिक टन सेब उत्पादित होता है, जबकि 13,234 हेक्टेयर पर 78,115 मीट्रिक टन नाशपाती का उत्पादन किया जाता है। सेब, नाशपाती का सीजन शुरू होने से पहले हर साल सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करती है। अपर सचिव एवं कृषि व उद्यान महानिदेशक रणवीर सिंह चौहान की ओर से एमएसपी घोषित करने के आदेश जारी किए गए। सी ग्रेड सेब का एमएसपी 11 रुपये से बढ़ाकर 12 रुपये प्रति किलो किया गया। वहीं, नाशपाती का छह रुपये से बढ़ाकर सात रुपये प्रति किलो तय किया गया।

एमएसएमई की नई पॉलिसी में पर्वतीय क्षेत्रों में निवेशकों के लिये बढ़ाई सब्सिडी

देहरादून। प्रदेश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों में निवेश बढ़ाने के लिए धामी सरकार ने नई नीति को मंजूरी दे दी है। इस नीति में पहाड़ों में लगने वाले उद्योगों के लिए मैदानों की तुलना में ज्यादा सब्सिडी दी जाएगी। क्षेत्र के हिसाब से निवेश के लिए नीति में चार श्रेणियां बनाई गई हैं। एमएसएमई नीति में विनिर्माण क्षेत्र के उद्योगों को सब्सिडी का लाभ मिलेगा, जबकि सेवा क्षेत्र को नीति से बाहर किया गया है। नई एमएसएमई नीति में सरकार ने पर्वतीय क्षेत्रों में नए उद्योगों में निवेश को प्रोत्साहित किया है। मैदानी क्षेत्रों की तुलना में पहाड़ों में उद्योग लगाने में निवेशकों को सब्सिडी का ज्यादा फायदा मिलेगा। इससे पहाड़ों में नए उद्योग लगाने से रोजगार के अवसर मिलेंगे। साथ ही पलायन पर रोक लगेगी। निवेश के लिए श्रेणियां : ए श्रेणी-पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, चमोली, चंपावत, रुद्रप्रयाग व बागेश्वर। बी श्रेणी-अल्मोड़ा व पौड़ी जिले का संपूर्ण क्षेत्र, टिहरी जिले का पर्वतीय भू-भाग का क्षेत्र, नैनीताल जिले के भीमताल, धारी, बेतालघाट, रामगढ़, ओखलकांढा विकासखंड और देहरादून जिले का चकराता विकासखंड।सी श्रेणी-टिहरी जिले का मैदानी क्षेत्र ढालवाला, तपोवन, मुनीकी रेती, फकोट विकास खंड, समुद्र तल से 800 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले मैदानी क्षेत्र रायपुर, सहसपुर, विकासनगर, कालसी, डोईवाला विकास खंड, नैनीताल जिले का कोटाबाग विकासखंड।डी श्रेणी-हरिद्वार व ऊधमसिंह नगर जिले का संपूर्ण क्षेत्र, समुद्रतल से 800 मीटर से कम ऊंचाई वाले नैनीताल जिले के रामनगर, हल्द्वानी, लालकुआं, कोटाबाग, रायपुर, सहसपुर, विकासनगर, कालसी, डोईवाला, नगर निगम देहरादून। ए व बी श्रेणी के क्षेत्रों में नए उद्योग लगाने पर स्टांप शुल्क में सौ प्रतिशत प्रतिपूर्ति की जाएगी। जबकि सी श्रेणी में 75 प्रतिशत और डी श्रेणी में 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति की जाएगी। श्रेणीवार उद्योगों को दी जाने वाली सब्सिडी श्रेणी सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योगए श्रेणी 50 लाख 1.60 करोड 4 करोड़ बी श्रेणी 40 लाख 1.20 करोड 3 करोड़ सी श्रेणी 30 लाख 80 लाख 2 करोड़ डी श्रेणी 20 लाख 60 लाख 1.50 करोड़। सूक्ष्म उद्योगों में पूंजी निवेश के लिए एक करोड़, लघु उद्योगों के लिए 1 से 5 करोड़, मध्यम उद्योगों में 10 से 50 करोड़ निवेश की सीमा निर्धारित की गई। सरकार ने नई नीति में सब्सिडी में बढ़ोतरी की है। जेड प्रमाणीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए नीति में नकद पुरस्कार का प्रावधान किया है। जिसमें गोल्ड प्रमाणीकरण वाले उद्योग को 75 हजार, सिल्वर को 50 हजार और ब्रांज प्रमाणीकरण प्राप्त करने वाले उद्योग को 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। प्रदेश सरकार ने नई एमएसएमई नीति से सेवा क्षेत्र को बाहर किया है। जिसमें होटल, साहसिक खेल, रोपवे, नर्सिंग होम में निवेश के लिए इस नीति में सब्सिडी नहीं मिलेगी। इसके लिए सरकार अलग से सेवा क्षेत्र नीति को लागू करने जा रही है।

कर्मचारी ने एक ही महीने में लगा डाली पूरे महीने की हाजिरी, फोटो वायरल!

देहरादून। ऊर्जा निगम के कार्मिकों के कारनामे खूब चर्चा में हैं। विद्युत वितरण मंडल ग्रामीण देहरादून में तैनात एक कार्यालय अधीक्षक ने एक दिन में पूरे माह की हाजिरी लगा दी। कार्यालय के उपस्थिति रजिस्टर की फोटो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही है।ऊर्जा निगम के विद्युत वितरण मंडल ग्रामीण देहरादून में तैनात कार्यालय अधीक्षक-प्रथम वर्ष 1992 में नियुक्ति के बाद से यहीं तैनात हैं।बीते दिनों उन्हें विद्युत वितरण मंडल नगरीय में स्थानांतरित किया गया, अपने पुराने कार्यालय से उनका मोह नहीं छूटा। उन्होंने उच्च अधिकारियों से सांठगांठ कर अपना स्थानांतरण आदेश रुकवा दिया।इसी के साथ ऊर्जा निगम मुख्यालय ने उक्त कार्मिक को

वहीं जमाए रखने के लिए नया आदेश जारी कर दिया। अब उक्त अधिकारी की हाजिरी को लेकर चर्चा हो रही है।विद्युत वितरण मंडल ग्रामीण के कार्यालय के उपस्थिति रजिस्टर की दो फोटो प्रसारित हो रही हैं। एक में सभी कार्मिकों की हाजिरी लगी हुई है, लेकिन उक्त कार्यालय अधीक्षक-प्रथम की एक दिन की भी हाजिरी नहीं है। इसके बाद दूसरे फोटो में माह के अंतिम दिन पूरे महीने की हाजिरी भर दी गई है।

काशीपुर क्षेत्र से 469 व्यक्ति हुये गुमशुदा

पुलिस के आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में बरामद हुये 296 व्यक्ति

काशीपुर(उद संवाददाता)। काशीपुर क्षेत्र से वर्ष 2021 से मई 2023 तक 469 व्यक्ति गुमशुदा हुये हैं जबकि इस अवधि में 296 व्यक्ति बरामद भी हुये है। गुमशुदा व्यक्तियों में 108 महिलायें तथा 125 बालक-बालिकाएं भी शामिल है। यह खुलासा सूचना अधिकार के अन्तर्गत सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ। काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन (एडवोकेट) ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, उधमसिंह नगर कार्यालय से वर्ष 2021 से सूचना उपलब्ध कराने तक की गुमशुदा तथा बरामद व्यक्तियों की थाना वार सूचना मांगी थी। इसके उत्तर में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लोक सूचना अधिकारी/पुलिस अधीक्षक, रूद्रपुर मनोज कुमार कत्याल ने अपने पत्रांक 152 /2023 के साथ थानों से प्राप्त सूचना उपलब्ध करायी गयी है।श्री नदीम को उपलब्ध सूचना के अनुसार काशीपुर क्षेत्र के तीन थानों काशीपुर, कूण्डा तथा आई.टी.आई. से वर्ष 2021, वर्ष 2022 तथा मई 2023 की अवधि में कुल गुमशुदा व्यक्तियों की संख्या 469 है जिसमें 236 पुरूष, 108 महिलाएं तथा 125 बालक बालिकाएं शामिल हैं। इस अवधि में कुल 296 व्यक्तियों को बरामद भी किया गया है जिसमें 75 पुरूष, 93 महिलाएं तथा 125 बालक-बालिकाएं शामिल हैं। श्री नदीम को उपलब्ध थानावार सूचना के अनुसार काशीपुर थाना क्षेत्र से इस अवधि में कुल 166 व्यक्ति (पुरूष) गुमशुदा हुये है जबकि 40 ही बरामद हुये हैं जबकि 73 महिलाएं गुमशुदा हुयी है तथा 63 महिलाएं बरामद हुई हैं। इस अवधि में थाना क्षेत्र से 35 बालक-बालिकाएं भी गुमशुदा हुये हैं जबकि गुमशुदा से 8 अधिक 43 बालक-बालिकाएं बरामद हुये हैं। इससे स्पष्ट है कि पिछले वर्षों में गायब हुई बालक-बालिकाएं भी इस अवधि में बरामद हुये हैं। कूण्डा थाना क्षेत्र से इस अवधि में कुल 56 व्यक्ति गुमशुदा हुये है जबकि 24 ही बरामद हुये हैं जबकि 7 महिलाएं गुमशुदा हुये तथा 7 महिलाएं

ही बरामद हुई हैं। इस अवधि में थाना क्षेत्र से 28 बालक-बालिकाएं गुमशुदा हुये हैं जबकि 28 बालक-बालिकाएं ही बरामद हुये हैं। आई.टी.आई. थाना क्षेत्र से इस अवधि में कुल 14 व्यक्ति गुमशुदा हुये हैं जबकि 11 व्यक्ति (पुरूष) ही बरामद हुये हैं जबकि 28 महिलायें गुमशुदा हुई है तथा 23 महिलायें बरामद हुई है। इस अवधि में थाना क्षेत्र से 62 बालक- बालिकाएं गुमशुदा हुये हैं जबकि 57 बालक-बालिकाएं ही बरामद हुये हैं। वर्ष वार विवरण के अनुसार काशीपुर क्षेत्र से 2021 में 38 व्यक्ति (पुरूष), 2022 में 74 तथा 2023 में मई तक 54 व्यक्ति गुमशुदा हुये हैं जबकि 2021 व 2022 में कोई व्यक्ति (पुरूष) बरामद नहीं हुआ है, वर्ष 2023 में 40 व्यक्ति बरामद हुये हैं। काशीपुर थाना क्षेत्र से 2021 में 12, वर्ष 2022 में 28 तथा 2023 में 33 महिलाएं गुमशुदा हुई हैं जबकि इस अवधि में क्रमशः 12, 28, तथा 23 महिलाएं बरामद हुई है। थाना क्षेत्र से 2021 में 12, वर्ष 2022 में 20 तथा वर्ष 2023 में 3 बालक-बालिकाएं गुमशुदा हुये हैं जबकि सम्बन्धित अवधि में गुमशुदा से अधिक 2021 में 20, वर्ष 2022 में 19 तथा वर्ष 2023 में 4 बालक-बालिकाएं बरामद हुये हैं। कूण्डा थाना क्षेत्र की वर्ष 2021 तथा 2022 की कुल संख्या की सूचना ही उपलब्ध करायी गयी है। इसके अनुसार वर्ष 2021-22 में कुल 47 तथा 2023 में 9 व्यक्ति (पुरूष) गुमशुदा हुये हैं जबकि इस अवधि में 16 व्यक्ति बरामद तथा 3 व्यक्ति मृत अवस्था में मिले दर्शाये गये है। वर्ष 2022 में 8 व्यक्ति ही बरामद हुये हैं। वर्ष 2022-22 में कुल 6 तथा तथा 2023 में 1 महिलाएं गुमशुदा हुई है जबकि 6 तथा 1 महिला ही बरामद दर्शायी गयी है। वर्ष 2021-22 में 22 बालक-बालिकाएं गुमशुदा दर्शाये गये है जबकि 2023 में 6 तथा इस अवधि में 22 तथा 6 बालक- बालिकाएं ही बरामद दर्शाये गये हैं। आई.टी.आई. थाना क्षेत्र से वर्ष 2021 में 3, वर्ष 2022 में 7 तथा 2023 में 4 व्यक्ति (पुरूष) गुमशुदा हुये है जबकि इस अवधि में क्रमशः 3, 7, तथा 1 बरामद दर्शाये गये है। वर्ष 2021 में 12, वर्ष 2022 में 11 तथा 2023 में 5 महिलायें गुमशुदा दर्शायी गयी हैं जबकि क्रमशः 8,10 तथा 5 महिलायें बरामद दर्शायी है। वर्ष 2021 में 27 तथा 2022 में 26, तथा 2023 में 9 बालक- बालिकाएं गुमशुदा दर्शायी गयी है जबकि इस अवधि में क्रमशः 25, 23 तथा 9 बालक-बालिकाएं बरामद दर्शायी गयी है।

मीट सप्लायर के बिल पर अब किच्छा नगर पालिका की फर्जी मुहर बनी चर्चा का विषय

M/S ADNAN TRADERS
GATE PASS - NON RETURNABLE
Please Allow
DESCRIPTION OF GOODS
1. Fresh Buffalo Meat

फर्जीवाड़े का गढ़ बनता जा रहा है ग्राम सिरौली

किच्छा (उद संवाददाता)। मीट व्यवसाई के बिल पर नगरपालिका परिषद की मोहर को लेकर एक बार सिरोली फिर चर्चा मै है। चर्चा में होना स्वाभाविक भी है। क्योंकि पूर्व में पालिकाध्यक्ष दर्शन सिंह कोली की फर्जी मोहर और हस्ताक्षर का था। अब नगर पालिका की मोहर का है हालांकि मोहर लगे बिल में इस बार हस्ताक्षर नहीं है। बिल मै पशु चिकित्सक की भी मोहर पर हस्ताक्षर नही है। तीसरी मोहर अदनान ट्रेडर्स की है जिसमे आरिफ के नाम से हस्ताक्षर है। अब प्रश्न यह उठता है कि किसी मीट व्यवसाई के बिल पर मोहर लगाई जा सकती है या नही। इस संबंध में स्थिति साफ होना बाकी है। बिलों मैं मोहर का होना और उस पर हस्ताक्षरों का ना होना संदेह पैदा कर रहा है। इस संबंध नगर पालिका एक अधिकारी ने बताया कि मीट

BILL OF SUPPLY

सप्लायर को अलग से प्रमाण पत्र दिया जाता है मीट व्यवसायई के बिल पर मोहर कैसी लगी क्यों लगी यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। उधर पालिका अधिशासी अधिकारी गुरमीत सिंह का कहना है कि प्रकरण उनके संज्ञान में आया है जिसकी जांच के उपरांत सत्यता का पता चल पाएगा कि मोहर फर्जी है या मोहर का दुरुपयोग किया जा रहा है। शीघ्र ही संपूर्ण प्रकरण को स्पष्ट कर दिया जाएगा। बहरहाल सिरौली क्षेत्र में दूसरी बार नगरपालिका की मोहर का प्रयोग किया जाना चर्चा का विषय बना हुआ है। आम जनता में तरह-तरह की चर्चाएं हैं लोगों का मानना है कि सिरौली फर्जीवाड़े का गढ़ बनता जा रहा है तथा बाहर से आए हुए लोग क्षेत्र का माहौल खराब करने में लगे हुए हैं।जिस बिल को लेकर सिरौली ग्राम चर्चा में उस बिल में अदनान ट्रेडर्स के प्रतिनिधि आरिफ से वार्ता करने पर उन्होंने बताया कि उनके पास बड़े जानवरों के मीट सप्लाई की अनुमति है। तथा सभी मानक पूर्ण किए हुए हैं । आरिफ का कहना था कि वह स्लेटर हाउस से मीट खरीद कर आगे सप्लाई करता है किंतु मोहर लगाने के प्रकरण में स्पष्ट जवाब नहीं दे पाए। उधर स्लेटर हाउस के सह ठेकेदार इकबाल कुरैशी का कहना है कि नगर पालिका द्वारा पन्द्रह जानवरों के प्रति दिन कटान का ठेका है । जिसमे प्रति दिन पशु चिकित्सक एवम नगर पालिका के संबंधित कर्मचारी द्वारा जांच की जाती है और वहां से छोटे दुकानदार जिनके पास मीट बेचने का लाइसेंस है ले जाते है और बेचते है।

महिला उत्पीड़न के खिलाफ सरकार का फूंका पुतला

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। उत्तराखंड में लगाता बढ़ते महिला उत्पीड़न के मामलों के खिलाफ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा के आह्वान पर महानगर कांग्रेस ने विधायक सुमित

हृदयेश के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का पुतला दहन कर कड़ा विरोध व्यक्त किया।विधायक सुमित ने कहा कि बेटी बचाओ का नारा देने वाली पार्टी के नेताओ पर ही बेटियों के साथ अत्याचार और उत्पीड़न के मामले आये दिन समाचारों के माध्यम से सार्वजनिक हो रहे है। भाजपा राज में माँ, बेटियां, बहने सुरक्षित नही है। उन्होंने कहा कि अब आम जनमानस को खुद ही अपनी बेटियों की सुरक्षा का जिम्मा उठाना पड़ेगा। महानगर अध्यक्ष गोविंद बिष्ट ने कहा कि बेटी अंकिता को अभी तक न्याय नही मिल पाया है और कल फिर जनपद हरिद्वार में एक भाजपा नेता द्वारा एक महिला के साथ दुराचार किया गया। इससे साफ प्रतीत होता है कि भाजपा की कथनी और करनी में बहुत अंतर है। महिला कांग्रेस महानगर अध्यक्ष पार्षद नीमा भट्ट ने कहा कि राजधानी देहरादून में जिस तरह महिला की हत्या कर शव कूड़े में फेंका गया। उससे साफ प्रतीत होता है कि भाजपा राज मे महिलाएं सुरक्षित नही है। पुतला दहन कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष हेम पांडे, महिला कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष शोभा बिष्ट, पार्षद राधा आर्या, पार्षद दीपा बिष्ट, कमला तिवाड़ी, मीमांशा आर्या, एनबी गुणवंत, सुहैल सिद्दीकी, गोविंद सिंह बिष्ट, अशोक जोशी, मयंक भट्ट, पार्षद राजेन्द्र जीना, पार्षद रवि जोशी, पार्षद महेशानंद, कैलाश साह, कमल मेहता, प्रकाश पांडे, गुरप्रीत प्रिंस, मोकिन सैफी, वरुण भाकुनी, प्रदीप नेगी, राजू बिष्ट, मलय बिष्ट, गिरीश पांडे, सुशील डुंगराकोटी, गजेंद्र गोनिया, शंकर कोहली, चंदन भाकुनी, इंदर बिष्ट, अभिषेक बिष्ट आदि मौजूद थे।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
05944-246817

रात्रि चौपाल में सुनी लोगों की समस्याएं

खटीमा(उद संवाददाता)।भारतीय जनता के कार्यकर्ताओं ने खटीमा वार्ड नंबर -11 में रात्रि चौपाल लगाकर लोगों की समस्याएं सुनी। भारतीए जनता पार्टी के प्रदेश कार्यकारणी सदस्य रामू जोशी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों ने भट्टा कॉलोनी, उत्तरांचल कॉलोनी, में गए । वहाँ पर जनता ने बीजेपी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रामु जोशी को अपने वार्ड की समस्या में पानी निकासी, सिंचाई नाले के ओवरफ्लो की समस्या, खाली पड़े प्लॉट मे पानी भरने से हो रही बीमारियां, सम्पर्क मार्ग, नाली निर्माण, मिट्टी भरान, वार्ड की स्ट्रीट लाइट ना जलने की समस्या, बिजली के कनेक्शन ना मिलने की समस्या आदि समस्याय लोगों ने रखी । इस पर बीजेपी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रामु जोशी ने कहा कि जनता की समस्याओं के निराकरण करने का उनके द्वारा हर सम्भव प्रयास किया जायेगा। खटीमा वार्ड नंबर-11 का स्थलीय निरीक्षण जनता के साथ करने के बाद प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रामू जोशी द्वारा कार्य को करने का कई का निराकरण किया। जनता ने काफी समस्याय बीजेपी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रामु जोशी के सम्मुख रखी। रामु जोशी ने कहा हर स्तर पर निराकरण किया जायेगा। एवं संबंधित अधिकारियों से वार्ता की और तत्काल प्रभाव से जनता की समस्याओं का निराकरण के लिए कहा। रात्रि चौपाल का संचालन बीजेपी के नगर मण्डल महामंत्री मनोज

वाधवा, ने किया। चौपाल में मण्डल अध्यक्ष अनीता ज्याला,महामंत्री श्वेता मिश्रा ,मीना देवी, अन्नू देवी, माया देवी, बाला देवी, अवधेश गुप्ता, दिनेश सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता रोहित वर्मा, कृष्ण पाल सिंह , बच्चन लाल ,गौतम, शाहनूर अहमद ,निसार अंसारी, सुभाष शर्मा, सौरव वर्मा, विकास कुमार जंग ,बहादुर गोविंद राय, अजय खोलिया, राघव यादव, विशाल खोलिया, हरि सिंह ठाकुर , करण यादव, चंद्र अरोरा, शिवम श्रीवास्तव, जगदीश वर्मा वेद प्रकाश वर्मा, नरेश गुप्ता उपस्थित थे।

Shri Shyam Properties
Deals In: Sale, Purchase And Rent Of Any Type Of Property
CONTACT NO.: 7830482222, 7500049657

निर्धारित स्टैंड के बाहर सवारी बैठाते उतारते पाये जाने पर की जायेगी कार्यवाही:भरणे

आईजी भरणे ने की एण्टी न्यूसेंस स्क्वाड के कार्यों की समीक्षा

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। पुलिस महानिरीक्षक कुमायूँ परिक्षेत्र डॉ. नीलेश आनन्द भरणें ने नगर की यातायात व्यस्था को सुधारने तथा असमाजिक तत्वों के खिलाफ निरोधात्मक कार्यवाही

करने हेतु गठित एण्टी न्यूसेंस स्क्वाड के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्हें बताया गया कि स्क्वाड ने डॉ. सुशीला तिवारी हास्पिटल के आगे हटाये गये अतिक्रमण पर अवैध रुप से फड, ठेली, दुकानों द्वारा किये गये अतिक्रमण को हटाया। वर्तमान में उस खाली जगह पर एम्बुलेंस, मरीजों के तीमारदारों, ई-रिक्शा / आटो, हेतु अलग-अलग स्टैण्ड बनाये गये है। साथ ही पार्किंग बोर्ड लगवाये गये है। एफटीआई तिराहे के पास भी अतिक्रमण हटाकर पार्किंग हेतु मरीजों व तीमारदारों हेतु सुव्यवस्थित पार्किंग बनाकर पार्किंग बोर्ड लगवाये जा रहे है। इसके अलावा सरगम टाकिज के बाहर वर्तमान में पैट्रोल पम्प तक अतिक्रमण मुक्त कराकर ऑटो / ई-रिक्शा स्टैण्ड का विस्तार गया है तथा चेतावनी दी गयी है कि अगर कोई भी ई- रिक्शा / ऑटो स्टैण्ड से हटकर सवारी बैठाता/उतारता पाया जाता है तो उसे सीज किया जायेगा। यदि सरगम टाकीज पर स्थापित स्टैण्ड पर ऑटो / ई- रिक्शा की संख्या क्षमता से अधिक होती है तो उन्हें एचएन इण्टर कालेज के सामने खाली करायी गयी जगह पर पार्क कराया जायेगा। कालू साईं मंदिर के पास सड़क को जाम मुक्त करने हेतु आईजी कुमायूँ द्वारा बसों के परिचालकों द्वारा मंदिर के पास सवारियों को उक्त स्थान पर न उतारकर सीधे रोडबेज स्टेशन व निर्धारित स्थान पर उतारने हेतु उत्तराखण्ड परिवहन विभाग हल्द्वानी के प्रबन्धक के साथ गोष्ठी करने हेतु निर्देशित किया गया है। इन्टर सिटी बसों के संचालकों को हिदायत दी गयी कि उनको आवंटित निर्धारित स्थान पर ही सवारियों को बैठायें / उतारे। निर्धारित स्थान के बाहर सवारी बैठाते / उतारते पाये जाने पर सम्बन्धित के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की जायेगी। पुलिस महानिरीक्षक कुमायूँ परिक्षेत्र ने आम जनमानस से अपील की कि यदि उनके सामने कोई भी अवैध कार्य हो रहा है तो उसकी सूचना मो0न0 - 8077713006 दें सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी जायेगी। आईजी को अवगत कराया गया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 188 चालान 81 पुलिस अधिनियम के कर 56500 रुपए नगद शुल्क वसूला गया। 5 चालान न्यायालय 83 पुलिस एक्ट के ,550 चालान एमबी एक्ट के चस्पा किए गए।एक,1415 चालान कर 321750 रुपए शुल्क वसूला गया।153 चालान कोर्ट के कुटे गए। इसके अलावा 29 वहां सीज किए गए जिनमें 7 ई रिक्शा, 10 टेम्पो तथा 12 दो पहिया वाहन शामिल हैं। इसके अलावा इवनिंग स्टार्म अभियान चलाकर भारी मात्रा में अवैध शराब पकड़ी और सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

KOTIA ENTERPRISES
शुद्ध तेल खाओ, जीवन लम्बा बनाओ !
वीर कच्ची घानी
शुद्धता में सर्वोत्तम
100% Pure
होम डिलीवरी उपलब्ध
Ward No.16 Kichha Road, Bagwara Rudrapur (U.S.Nagar)
Veer Singh Virk
Managing Director
Mob.+919837146811,7500035083
Email:veersingh.bagwara@gmail.com
खल सरसों (लाही) गेहूं (कनक)/धान/मटर/सोयाबीन,उच्च मूल्य पर खरीदने बेचने के लिए संपर्क करें

स्कूल के आठ किमी के दायरे में शिक्षकों करना पड़ेगा निवास

देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखंड के सरकारी स्कूल में पढ़ाने वाले शिक्षकों को लेकर नया आदेश जारी हुआ है। अब शिक्षकों को स्कूल के आठ किमी के दायरे में ही रहना पड़ेगा।उत्तराखंड के सरकारी स्कूल में पढ़ाने वाले शिक्षकों को लेकर कई अभिभावकों की कई शिकायत रहती है। उनमें से एक शिकायत ये है कि उनके बच्चों को पढ़ाने के लिए जो शिक्षक स्कूलों में आते हैं वो कई बार तो समय पर स्कूल नहीं पहुंचते हैं। ना ही शिक्षक पूरी क्षमता के साथ अध्यापन नहीं करा पाते हैं। क्योंकि शिक्षक लंबा सफर तय कर स्कूल पहुंचते हैं। इसी तरह का मामला जौनपुर विकास खंड के टिहरी गढ़वाल से सामने आया है। यहां पर जब ये मामला उठा तो जौनपुर टिहरी गढ़वाल के खंड शिक्षा अधिकारी के द्वारा इस पर कार्रवाई करते हुए फैसला लिया गया है। इस फैसले के मुताबिक शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए स्कूल से आठ किलोमीटर के अंतर्गत ही रहना पड़ेगा। इसके आदेश जारी करने के साथ ही इस संबंध में प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए गए हैं। दरअसल 21 जुलाई को क्षेत्र पंचायत समिति यानी कि बीटीसी की बैठक में अरविंद सकलानी ग्राम प्रधान पंचायत पुजार गांव एवं अन्य प्रधान गणों के द्वारा ये मुद्दा उठाया गया था। जिसमें प्रश्न उठाया गया कि विकासखंड के अधिकांश विद्यालयों में अध्यापक कर्मचारी देहरादून से आवागमन करते हैं। इतनी दूर से आवागमन के कारण अध्यापक समय पर स्कूल नहीं पहुंचते हैं। इसके साथ ही कहा गया कि शिक्षक पूर्ण क्षमता के साथ अध्यापन नहीं करा पाते। जिसके बाद ये फैसला लिया गया है।

भागवत कथा सुनने वाले के ह्रदय में उतरते हैं श्री कृष्ण: शास्त्री

गदरपुर(उद संवाददाता)।बुध बाजार स्थित श्री सनातन धर्म मन्दिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी लगभग एक माह तक चलने वाली श्री मद भागवत कथा महोत्सव कथा में पंडित

विजय कुमार शास्त्री जी द्वारा पूजा अर्चना एवं मंत्रोचार के साथ व्यास गद्दी से श्रीमद् भागवत कथा को परिसर में आई हुई धर्म प्रेमी जनता को अनुश्रवण कराया कि भागवत की कथा अति दिव्य है इस कथा को जो प्रेम से सुनेगा उसके कान में से परमात्मा ह्रदय में उतरेंगे, जो बार-बार श्री कृष्ण की कथा सुनता है उसके कान से श्री कृष्ण ह्रदय में पधारते हैं। आज के प्रसाद की सेवा श्री सनातन धर्म सभा के सरपरत श्री हरिचन्द छाबड़ा जी के परिवार द्वारा दी गई सनातन धर्म सभा की ओर से कार्यक्रम का संचालन राजकुमार भुड्डी एवं सोमनाथ छाबड़ा द्वारा किया गया। इस दौरान सुरेंद्र बजाज, हरिचंद्र छाबड़ा, विनोद भूसरी ,वीरेंद्र छाबड़ा, अशोक धीर, राजकुमार गुंबर, जगमोहन बजाज, राजमणि, मयंक चुग, लेखराज नागपाल, अजय खेड़ा, कश्मीर बजाज, पंकज बजाज सरोज बजाज, बीना शर्मा, पुष्पा रानी , आशा रानी, सुमित्रा ,कौशल्या देवी, राधारानी बजाज ,रश्मि , सुनीता रानी, काजल बजाज, अंकिता अग्रवाल, सुदामा रानी, सुशीला देवी आदि धर्म प्रेमी उपस्थित थे।

गुरू माँ
GURU MAA ENTERPRISES

AC चाहिए ?
आधार लाये, उधार ले जायें...
0% BAJAJ FINSERV
UP TO 50% OFF
सबसे ज्यादा कैशबैक
0% ब्याज मुक्त फाइनेंस
खरीदारी के दिन डिलीवरी
Guru Maa Enterprises
हल्द्वानी
तिकोनिया मो- 9837077682
चर्च कम्पाउंड मो- 9690256666
पिली कोठी मो- 9997207007
रुद्रपुर
काशीपुर बाईपास रोड मो- 9927582338, 9568869000
काशीपुर
चीमा चौराहा मो-7455045084
रामनगर रोड मो-9917161111
गदरपुर
गुरूनानक इंटरप्राईजेज पंजाबी कालोनी गली मो-9927850999

प्रत्येक ब्लॉक में खेल मैदान विकसित करें: डीएम

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास एवं रोजगार सृजन में महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यह बात जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने जिला कार्यालय सभागार में मनरेगा के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा करते हुए कही। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश व्यक्ति ऐंसे हैं जोकि गांव नहीं छोड़ना चाहते हैं, ग्रामीणों को उनके क्षेत्र में ही रोजगार के अवसर मिलेंगे तो कोई भी व्यक्ति गांव नहीं छोड़ना चाहेगा। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा का भरपूर उपयोग किया जा सकता है और यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बहुत अधिक मुफीद है। डीएम ने ग्रामीण क्षेत्रों के विकास एवं रोजगार सृजन हेतु 8 रेखीय विभागों- ग्राम्य विकास, स्वजल, पशुपालन, कृषि, मत्स्य, लघु सिंचाई, पंचायतीराज तथा उद्यान विभाग के अधिकारियों को मनरेगा से डबटेलिंग करते हुए योजनाएं बनाने के निर्देश दिये। डीएम ने मनरेगा के अन्तर्गत प्रत्येक ब्लॉक में कम से कम दो-दो खेल मैदान विकसित करने के निर्देश सभी खण्ड विकास अधिकारियों को दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि स्वजल के अन्तर्गत बनने वाले शौचालय निर्माण कार्य को भी मनरेगा से डबटेलिंग किया जाये। डीएम ने प्रत्येक विकास खण्ड में मुनादी कराते हुए मनरेगा जॉब कार्ड बनवाने तथा जॉब काड्र्स का भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश सभी खण्ड विकास अधिकारियों को दिये। डीएम ने यह भी स्पष्ट निर्देश दिये कि किसी भी स्तर पर फाइले अनावश्यक रूप से लम्बित न रहें। डीएम ने कहा कि खण्ड विकास अधिकारियों के कार्यों की गहनता से मॉनीटरिंग की जायेगी। उन्होंने रेखीय विभागों को मनरेगा के अन्तर्गत प्रोजेक्ट तैयार कर के खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय में सबमिट करने तथा खण्ड विकास अधिकारियों को प्राप्त प्रोजेक्ट के सापेक्ष स्वीकृत तथा लम्बित प्रोजेक्ट की अद्यतन स्थिति की सम्पूर्ण जानकारी रखने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने जनपद में आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण हेतु भूमि चिन्हित करने के निर्देश सम्बन्धित क्षेत्रों के उप जिलाधिकारियों के लिए दिये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि योजना का उद्देश्य पंजीकृत ग्रामीण परिवारों को जिनके व्यवस्क सदस्य अकुशल कार्य करने के इच्छुक हों, उन्हें एक वित्तीय वर्ष में 100 दिन के रोजगार की गारन्टी देती है और निर्धनों के आजीविका संसाधनों के आधार को सुदृढ़ करना और सामाजिक समावेशन को सक्रियता से सुनिश्चित करना है। बैठक में जिला विकास अधिकारी ने मनरेगा के अन्तर्गत किये जा रहे कार्यों, सृजित रोजगार दिवस, मनरेगा बजट आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा, जिला विकास अधिकारी तारा ह्यांकी, सहायक निदेश मत्स्य संजय छिम्वाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी उदय प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आद्यौगिक विकास को लेकर राज्यपाल से मिले उद्योगपति

देहरादून(उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से गुरूवार को राजभवन में सिडकुल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ उत्तराखण्ड के पदाधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्यपाल ने पदाधिकारियों से औद्योगिक विस्तार एवं प्रदेश के भावी विकास की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने सिडकुल हरिद्वार की समस्याओं और चुनौतियों के सम्बन्ध में भी जानकारी प्राप्त की। पदाधिकारियों ने राज्यपाल को रूड़की में आयोजित होने वाले औद्योगिक पुरोधाओं के सम्मान कार्यक्रम के लिए आर्मंत्रित किया। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश के विकास में औद्योगिक इकाइयों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा की राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने और औद्योगिक इकाइयों के लिए अच्छा वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से दिसम्बर माह में इन्वेस्टर्स समिट आयोजित किया जा रहा है। राज्यपाल ने कहा की इस समिट के आयोजन से राज्य में निवेश एवं रोजगार के अवसर बढेंगे। इस अवसर पर एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष मोहिंदर आहुजा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय जैन आदि उपस्थित रहे।

छात्र-छात्राओं को वाहन के चलाने के नियम बताये

गदरपुर(उद संवाददाता)। एसएस पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के तहत थाना प्रभारी राजेश पांडेय द्वारा स्कूल के बच्चों को सड़क दुर्घटना से बचाव के बारे में विस्तृत जानकारियों देते हुए बिना लाइसेंस के वाहन न चलाने की सलाह दी गयी। थाना प्रभारी के राजेश कुमार पाण्डेय ने कक्षा 9 से कक्षा 12 तक के छात्र-छात्राओं की काउन्सलिंग करते हुए उन्हें दो पहिया वाहन को बिना लाईसेंस के चलाने के से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। श्री पाण्डेय ने बताया आजकल नाबालिको द्वारा सड़क परिवहन के नियमों को अनदेखा करके वाहन चलाया जा रहा है। जिसमें दुर्घटनाओ का ग्राफ बड़ गया है। ऐसी परिस्थिति में पुलिस को कार्य में और ज्यादा परेशानियां आ रही है। इसके समाधान के लिए पुलिस द्वारा लगातार विद्यालयों के माध्यम से नाबालिकों एंव उनके अभिभावकों को लगातार सचेत किया जा रहा है। श्री पाण्डेय जी नें छात्राओं को 1090 नंबर की पूर्ण जानकारी देते हुऐ बताया कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति द्वारा पीछा करने की जानकारी

माता-पिता के साथ पुलिस को 1090 पर अवगत अवश्य करवाएं। श्री पाण्डेय ने बताया कि अगर समय रहते नाबालिकों द्वारा गलत तरीके से वाहन चलाना बन्द नहीं किया गया तो उसका आर्थिक नुकसान अभिभावकों को उठाना पड़ सकता है। वाहन किसी भी परिस्थिति में बिना समझदार व्यक्ति के ना चलाऐ और हमेशा हेलमेट का प्रयोग करें। सड़क पर बड़ती हुई दुर्घटना परिवार और समाज दोनों के लिए हानिकारक है। उन्होंने कहा कि नाबालिग अपने माता-पिता के साथ ही वाहन पर चलना सुनिश्चित करें। विद्यालय के एम.डी. डी.पी. सिह ने विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को भी सडक सुरक्षा को ध्यान में रखने और नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य परविन्दर सिंह ने बच्चों को कानून को हमेशा महत्व देने की बात कहते हुए बताया कि किसी भी परिवार में दुर्घटना उस परिवार को कितना दुःख पहुचाती है ये शायद परिवार के सदस्यों से पूछा जायें। अतः सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बिना लाईसेंस के वाहन ना चलाए और सुरक्षित रहें। किसी भी प्रकार से सड़क के नियमो का उलंघन ना करें।

नये छात्र-छात्राओं के लिए इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित

गदरपुर (उद संवाददाता)। महाविद्यालय के नव प्रवेशित छात्र छात्राओं हेतु इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नए प्रवेशार्थियों को महाविद्यालय की आचार संहिता, विश्व विद्यालय एवं उच्च शिक्षा के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की गयी। महाविद्यालय की अन्य गतिविधियों एवं छात्र हित में गठित अन्य समितियों के बारे में विस्तार पूर्वक बातचीत करने एवं उनको अनुशासन के महत्व को समझाने तथा उनकी हिचक को खोलने हेतु कार्यक्रम कराया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ अर्चना वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ अशोक कुमार द्वारा नई शिक्षा नीति एवं अन्य आवश्यक बातों के बारे में चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्ष महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शर्मिला सक्सेना द्वारा विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति के प्रासंगिकता एवं महत्व के बारे में समझाया गया। सुश्री तनुजा परिहार प्रवक्ता अर्थशास्त्र विभाग द्वारा महाविद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका के बारे में विद्यार्थियों को संक्षिप्त में बताया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक गण डॉ प्रमोद वर्मा, डॉ श्री हरी प्रसाद एवं सुश्री प्रभजोत कौर सहित लगभग 50 नवीन छात्र छात्राएं उपस्थित रहेइस अवसर पर मुस्कान, निशा, फारूक अहमद, सुमित सिंह, मोहसिन, रीना सहित अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

लेखराज तनेजा बने केंद्रीय कमेटी के चेयरमैन

गदरपुर (उद संवाददाता)। सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में देश के केन्द्रीय सहकारिता विभाग द्वारा पैक्स समितियों के बायलॉज में एकरूपता लाने के लिये एक मॉडल बायलॉज बनाया गया जिसे देश के 23 प्रदेशों द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। परन्तु पांच प्रदेश जिसमें पश्चिम बंगाल, बिहार, आन्ध्र प्रदेश, केरल व उत्तराखण्ड द्वारा यह बायलॉज मॉडल एडोप्ट नहीं किया गया। जिनकी समस्यायों को सुनने, समझने व निदान के लिए केन्द्रीय स्तर पर एक कमेटी का गठन किया गया जिसमें इन प्रदेशों के सहकारिता विभाग के उच्चाधिकारी सम्मलित हुए और पब्लिक डोमेन से सहकारी बंधु के रूप में गदरपुर किसान सेवा सहकारी समिति एवं नैनीताल व उधम सिंह नगर के पैक्स अध्यक्ष लेखराज तनेजा को उक्त कमेटी का चेयरपर्सन बनाया गया। श्री तनेजा ने बताया कि 2 दिन के गहन मंथन के बाद पांचों प्रदेशों एवं नये उपनियमों की तुलनात्मक समीक्षा केंद्रीय मंत्रालय को भेज दी गई है।

कांग्रेस नेताओं ने पीड़ित परिवार को बंधाया ढांढस

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। शिवनगर आजाद नगर ट्रांजिट कैंप में हुए जघन्य हत्याकांड के बाद प्रदेश के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़,उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती मीना शर्मा, महानगर कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष जगदीश तनेजा,महानगर महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष मोनिका ढाली,कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनिल शर्मा सहित अनेक कांग्रेस जन घटनास्थल पर पहुंचे,ओर घटना की जानकारी ली। उसके बाद सभी जवाहरलाल नेहरू जिला चिकित्सालय पहुंचे, जहां उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उन्हें ढाढस बंधाया।

बौर जलाशय एवं गूलरभोज क्षेत्र की समस्याओं के निस्तारण पर विचार विमर्श

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने टूरिस्ट डेस्टिनेशन बोर जलाशय एवं गूलरभोज क्षेत्र की समस्याओं के निस्तारण हेतु विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तावित एवं किये जा रहे कार्यों की जिला कार्यालय सभागार में समीक्षा की। समीक्षा बैठक में दौरान क्षेत्रीय विधायक अरविन्द पाण्डे तथा दिनेशपुर की चेयरमेन सीमा सरकार, मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा भी मौजूद रही। बैठक में क्षेत्रीय विधायक अरविन्द पाण्डे ने कहा कि वन क्षेत्र में आने वाले 10 गांवों की एक ही रोड कनेक्टिविटी होने से वनों को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होगा और अतिक्रमण की संभावना भी नहीं रहेगी। उन्होंने गदरपुर में महाविद्यालय की स्थापना हेतु धरमपुर-विजय नगर में भूमि चिन्हित करने का सुझाव दिया। उन्होंने जल जीवन मिशन के अन्तर्गत कार्यों हेतु खादी जा रही सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर सही कराने, गदरपुर बायपास में अण्डरपास तथा सर्विस लेन की सफाई कराने, गूलरभोज नगर पंचायत का ड्रेनेज सिस्टम सही कराने, सकेनिया मन्दिर परिसर में संचालित पुलिस चौकी के लिए अन्यत्र भूमि चिन्हित करने आदि की मांग की। जिलाधिकारी ने कोपा बसन्ता तथा कोपा मुनस्यारी क्षेत्र में पुलिया निर्माण तथा 10

गांवो को एक ही रास्ता बनाने हेतु संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर तैयार डीपीआर जिला कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश वन विभाग के अधिकारियों को दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि वन विभाग के मानकों के अनुसार कार्य कराया जायेगा। जिलाधिकारी ने महाविद्यालय के लिए धरमपुर-विजयपुर में भूमि तलाशने के निर्देश उप जिलाधिकारी को दिये। उन्होंने जल जीवन मिशन के अन्तर्गत कार्य करा रहे पेयजल निगम तथा जल संस्थान के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनहित में समयबद्धता से कार्य पूर्ण हों तथा जिन क्षेत्रों में काम हो गए हैं, उन सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर सही किया जाये। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि ठैकेदारों की सिक्योरिटी धनराशि जब्त रहे ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी सामने आने पर उचित कार्यवाही की जा सके। उन्होंने गदरपुर बायपास में अण्डर पास तथा सर्विस लेन की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश परियोजना निदेशक एनएचएआई को दिये। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को दिये। बैठक में क्षेत्रीय विधायक अरविन्द पाण्डे तथा दिनेशपुर की चेयरमेन सीमा सरकार, मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा, अनादि निरंजन, योगेश पानू, हिमांशु सरकार के अलावा सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय
सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

डिग्रियों का फर्जीवाड़ा

हमारे देश में आबादी के अनुपात में सरकारी विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों की बहुत कमी है।अभी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने बीस फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची जारी की और कहा कि इन विश्वविद्यालयों की डिग्रियां कहीं भी मान्य नहीं होंगी। इसके पहले भी कई बार गैर-कानूनी तरीके से चलाए जा रहे विश्वविद्यालयों की पहचान कर उन्हें फर्जी घोषित किया जा चुका है। एक समय था, जब छत्तीसगढ़ में विश्वविद्यालयों की बाढ़-सी आ गई थी तब सौ से ऊपर विश्वविद्यालयों को फर्जी करार दिया गया था। उसके अलावा भी कई मौकों पर विश्वविद्यालय और मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय यानी डीम्ड यूनीवर्सिटी की तख्ती टांग कर डिग्रियां बांटने वाले संस्थानों पर नकेल कसने की कोशिश की गई है। इस बार जिन बीस विश्वविद्यालयों को फर्जी बताया गया है, उनमें से सबसे अधिक आठ दिल्ली में चल रहे हैं।इसी तरह उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल में भी फर्जी विश्वविद्यालयों की पहचान की गई है। अब यूजीसी के फैसले के बाद इन विश्वविद्यालयों की डिग्रियों का कोई मोल नहीं रह गया है। न तो उनके आधार पर विद्यार्थी कहीं और दाखिला ले सकते हैं और न किसी नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस तरह न जाने कितने युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो गया है। उनके धन और समय की बर्बादी हुई, सो अलग। दरअसल, फर्जी विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों का उदय इसलिए होता है कि हमारे देश में आबादी के अनुपात में सरकारी विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों की बहुत कमी है। फिर निजी पूंजी से चल रहे विश्वविद्यालयों और संस्थानों में फीस इतनी अधिक होती है कि उसे वहन कर पाना सामान्य आयवर्ग के बूते की बात नहीं होती। ऐसे में हर साल लाखों विद्यार्थियों के सामने संकट पैदा हो जाता है कि किसी विश्वविद्यालय या संस्थान में दाखिला न मिल पाने के कारण उनका साल बर्बाद चला जाएगा। हालांकि विश्वविद्यालयों ने पत्राचार के माध्यम से पढ़ाई की सुविधा भी उपलब्ध करा रखी है, देश में कई जगह मुक्त विश्वविद्यालय भी खुल गए हैं, मगर बहुत सारे विद्यार्थियों को लगता है कि संस्थानों में नियमित पढ़ाई ही सबसे बेहतर व्यवस्था है। मुक्त विश्वविद्यालयों और पत्राचार से हासिल डिग्री को नौकरियों में उतनी तरजीह नहीं दी जाती। फिर आजकल आम धारणा बन चुकी है कि जिनके पास तकनीकी शिक्षा की डिग्री नहीं, उनके सामने रोजगार का संकट रहेगा। ऐसे में परिवार वाले भी चाहते हैं कि उनके बच्चे किसी न किसी विश्वविद्यालय या संस्थान से तकनीकी शिक्षा की डिग्री हासिल करें। अभिभावकों और विद्यार्थियों की इन्हीं चिंताओं का लाभ ये फर्जी विश्वविद्यालय उठाते हैं। विश्वविद्यालय खोलने के लिए कुछ नियम-कायदे तय हैं। सरकारी विश्वविद्यालय खोलने के लिए संसद या विधानसभा में प्रस्ताव पारित कराना पड़ता है। निजी विश्वविद्यालयों को परिसर, कक्षाओं, सभागारों, प्रयोगशालाओं आदि का नक्शा पास कराना पड़ता है। उनके लिए आकार आदि तय हैं। फिर पाठ्यक्रमों को मान्यता प्रदान की जाती है, उसके लिए भी अध्यापकों आदि की योग्यता देखी जाती है। मगर इतनी तकनीकी बारीकियां सामान्य लोगों को नहीं पता होतीं। इसलिए आमतौर पर फर्जी विश्वविद्यालय निम्न आयवर्ग के और कम पढ़े-लिखे परिवारों के बच्चों को आकर्षित करने का प्रयास करते हैं। इसके अलावा ऐसे बच्चे भी उनके झांसे में आ जाते हैं, जिन्हें कहीं और दाखिला नहीं मिल पाता। मगर सवाल है कि ऐसे विश्वविद्यालय अपना फर्जीवाड़ा बरसों बरस कैसे चलाते रहते हैं और प्रशासन की उन पर नजर नहीं जा पाती। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग जब तक उन पर नकेल कसता है, तब तक वे बहुत सारे युवाओं का भविष्य अंधकारमय बना चुके होते हैं।

प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति ने राज्यपाल से की मुलाकात

देहरादून (उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से गुरुवार को वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने मुलाकात की। प्रो. ओंकार सिंह को कुलपति के रूप में एक वर्ष का समय पूर्ण हो चुका है। उन्होंने राज्यपाल को विश्वविद्यालय की विगत एक वर्ष की महत्वपूर्ण उपलब्धियों एवं गतिविधियों पर आधारित प्रस्तुतीकरण दिया। कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने राज्यपाल को बताया कि विश्वविद्यालय में संपूर्ण प्रक्रिया डिजिटाइजेशन करने की दिशा में किए गए प्रयासों के अंतर्गत परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता व समयबद्धता लाने में महत्वपूर्ण प्रयास किया गया। परीक्षाओं के प्रश्नपत्र को लीकेज की संभावनाओं से मुक्त रखने के दृष्टिगत डिजिटल माध्यम से पासवर्ड सुरक्षा के साथ परीक्षा केंद्रों को प्रत्येक परीक्षा प्रारंभ होने से पूर्व प्रश्नपत्रों का परीक्षण प्रारंभ किया गया है। इस क्रम में छात्रों की परीक्षा मूल्यांकन प्रणाली में विश्वास पैदा करने के दृष्टिगत मूल्यांकित उत्तरपुस्तिकाओं को परीक्षाफल निर्माण से पूर्व डिजिटली अवलोकित कराये जाने की व्यवस्था प्रारंभ कर विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा प्रणाली में गुणवत्ता स्थापित करने का सफल प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि सभी

संस्थानों में छात्रों की समुचित उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु शैक्षिक कार्यक्रमों को गुणवत्तापरक बनाये जाने के साथ-साथ अटेंडेंस मैनेजमेंट सिस्टम को लागू किया गया है। इसके माध्यम से छात्रों की कक्षाओं में दैनिक उपस्थिति को वेब पोर्टल के माध्यम से निगरानी की जा रही है जिसे छात्र स्वयं, उनके अभिभावक, संस्था के प्रमुख एवं विश्वविद्यालय उपस्थिति को आवश्यकतानुसार अवलोकित कर सुधारात्मक कार्यवाही कर सकते हैं। कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में बीटेक प्रारंभ कर इस क्षेत्र में ''सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन साइबर सिक्योरिटी'' स्थापना की शुरुआत की है। विश्वविद्यालय के द्वारा आईएमए के साथ मिलकर पीजी डिप्लोमा इन मिलेट्री स्टडीज एंड डिफेंस मैनेजमेंट को संचालित कर सैन्य शिक्षा के क्षेत्र में मजबूत पहल की है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा सभी संस्थानों में दो सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल का चयन कर उन पर छात्रों व शिक्षकों को प्रभावी रूप से प्रोजेक्ट, वर्कशॉप, सेमिनार के माध्यम से कार्य कराकर वैश्विक स्तर पर इन लक्ष्यों की प्राप्ति में एक महती योगदान देने का प्रयास किया गया है। कुलपति द्वारा अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2022-23 से ही अपने सभी पाठ्यक्रमों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसार परिमार्जित कर सामयिक आवश्यकताओं के अनुरूप, क्रेडिट आधारित नया ऑर्डिनेंस व पाठ्यक्रम लागू किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा उत्तरकाशी में तकनीकी संस्थान वर्तमान सत्र से ही प्रारंभ कर उस क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के लिए कम्प्यूटर साइंस एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व मशीन लर्निंग में बीटेक करने के अवसर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। राज्यपाल ने उपलब्धियों हेतु कुलपति एवं विश्वविद्यालय टीम की प्रशंसा करते हुए अन्य विश्वविद्यालयों को भी इन बैस्ट प्रैक्टिसिस को अपनाने को कहा है। उन्होंने कुलपति प्रो. ओंकार सिंह एवं विश्वविद्यालय प्रशासन के नवाचारों और प्रयासों की सराहना की।

डीएम ने भ्रमण कर लोगों की समस्याएं सुनी

अल्मोड़ा (उद संवाददाता)। जिलाधिकारी विनीत तोमर ने विकासखंड चौखुटिया के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण, निरीक्षण तथा जनसुनवाई की जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम तड़गताल का निरीक्षण किया साथ ही यहां पर लोगों की समस्याओं को सुना तथा लोगों की शिकायतों का निस्तारण करने के निर्देश उपस्थित संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने तहसील मुख्यालय चौखुटिया का निरीक्षण किया। यहां पर जिलाधिकारी ने सभी पटलों का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाओं को बनाए रखने के निर्देश दिए, जिलाधिकारी ने तहसीलदार को निर्देश दिए कि कोर्ट केस लंबित न रहे, तथा जो केस निस्तारित किए जाते हैं, उनकी नियमित रिपोर्ट जिलाकार्यालय को प्रेषित किया जाएउन्होंने तहसील में स्थापित आपदा कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर कंट्रोल रूम को 24 घंटे सुचारू रखने के निर्देश दिए एवं कंट्रोल रूम में प्राप्त सूचनाओं पर त्वरित एक्शन लेने तथा सभी सूचनाओं का रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के निर्देश दिए जिलाधिकारी ने तहसील में आपदा कंट्रोल रूम के लिए अलग से कक्ष तैयार करने हेतु प्रस्ताव भी प्रेषित करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौखुटिया में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को परखा। यहां पर जिलाधिकारी ने दवा वितरण कक्ष, इमरजेंसी वार्ड पैथोलॉजी लैब आदि का

निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने हॉस्पिटल स्टाफ की उपस्थिति पंजिका एवं बायोमेट्रिक उपस्थिति का रिकॉर्ड भी चेक किया। उपस्थिति पंजिका एवं बायोमेट्रिक उपस्थिति का मिलान सही न होने पर नाराजगी जाहिर की तथा संबंधित को स्थिति सुधारने की सख्त हिदायत दी जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि रोस्टर बनाकर रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती की जाए, जिससे गर्भवती महिलाओं एवं अन्य रोगियों को अल्ट्रासाउंड की सुविधा मिल सके। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि ओपीडी बढ़ाई जाए एवं जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। इसके बाद जिलाधिकारी ने विकासखंड मुख्यालय पहुंचकर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं लोगों की समस्याओं को सुना तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएइसके उपरांत जिलाधिकारी ने चौखुटिया के ग्राम जेठुआ में ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्या सुनी। यहां पर ग्राम वासियों ने आवारा पशुओं से निजात दिलाने एवं रामगंगा नहर से सिंचाई की समुचित व्यवस्था करने की मांग की। जिलाधिकारी ने बताया कि आवारा पशुओं से निजात दिलाने के लिए गोसदनों हेतु भूमि चयन की प्रक्रिया गतिमान है तथा आवारा पशुओं का भी सर्वे कराया जा रहा है तथा जल्द ही इस समस्या का निदान करने का प्रयास किया जाएगा उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति निराश्रित गोवंश को रखना चाहता है, उसे 5 गोवंश रखने पर 12000 रुपए मासिक सरकार की ओर से देय होगा। उन्होंने कहा कि इच्छुक व्यक्ति इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने सिंचाई की समस्या पर अधिशासी अभियंता सिंचाई को निर्देश दिए कि सिंचाई के लिए बेलदारों की संख्या बढ़ाई जाए तथा रोस्टर बनाकर गांवों में सिंचाई की व्यवस्था की जाएइस दौरान प्रभागीय वनाधिकारी दीपक सिंह, उपजिलाधिकारी जयवर्धन सिंह समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

चाकुओं के साथ दो शातिर चोर गिरफ्तार

काशीपुर (उद संवाददाता)। चोरी की योजना बनाते तो शातिर चोरों को पुलिस ने गश्त के दौरान गिरफ्तार कर तलाशी में उनके कब्जे से चाकू बरामद किया है। पूछताछ के बाद गिरफ्तार चोरों का पुलिस द्वारा चालान कर दिया गया। कार्यवाही

के बारे में पता चला है कि पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त पर थी इसी दौरान सरकारी अस्पताल के पीछे सुनसान जगह पर संदिग्ध हालत में चहल कदमी करते हुए दो युवकों को पुलिस ने शक के आधार पर घेराबंदी कर दबोच लिया। पुलिस की कड़ी पूछताछ में दोनों ने अपना नाम सैयदपुरा चौकी जलालपुर थाना डिलारी जनपद मुरादाबाद उत्तर प्रदेश निवासी मोनीश पुत्र मतलूब तथा दूसरे ने शिवांगी कॉलोनी प्रतापपुर निवासी अख्तर पुत्र पप्पू बताया। जामा तलाशी में दोनों के कब्जे से पुलिस को एक एक चाकू बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए दोनों चोर नशे के आदी हैं और पूर्व में भी जेल की हवा खा चुके हैं। पकड़े गए मोनीश के खिलाफ चोरी व आर्म्स एक्ट के चार मुकदमे दर्ज हैं जबकि अख्तर के खिलाफ आर्म्स एक्ट व चोरी की दो मुकदमे दर्ज है।

हरियाणा में दंगे के दोषियों पर हो कार्रवाई

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। कर परामर्शदाता नरेश कुमार सेठ के कार्यालय पर आयोजित एक बैठक में हरियाणा के नूंह जिले में हुई हिंसा पर दुख व्यक्त करते हुए अराजक तत्वों के खिलाफ रोष व्यक्त किया गया। व्यापार मण्डल जिला महामंत्री राजकुमार सीकरी ने कहा कि अराजक तत्वों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाये व साथ ही हिंदुओं की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाये जायें। वहीं नरेश कुमार सेठ ने कहा कि दंगे से प्रभावित हिंदु परिवारों को तत्काल सहायता दी जाये वह मृतक के परिजनों को पर्याप्त मुआवजा दिया जाये। साथ ही उन्होंने अराजक तत्वों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही कर उन्हें सलाखों के पीछे भेजने की मांग की। इस दौरान मनोहर लाल मिगलानी, गगन दुनेजा, बॉबी टुटेजा, सुरेश मदान, हरीश सुखीजा, राकेश सुखीजा, मान सिंह ग्रोवर, जगदीश छाबड़ा, रोशन तागरा आदि मौजूद थे।

नशे के इंजेक्शनों सहित तस्कर गिरफ्तार

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। बनभूलपुरा थाना पुलिस ने गश्त के दौरान एक नशा तस्कर को नशे के इंजेक्शनों सहित गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार नीरज भाकुनी थानाध्यक्ष बनभूलपुरा के नेतृत्व में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम करने थाना स्तर पर गठित टीम में शामिल उनि विरेन्द्र चन्द, कानि. मौ. यासीन व मुन्ना सिह चेकिंग के दौरान मौ. शाहरूख सिद्दीकी

पुत्र मौ. शाहिद सिद्दीकी निवासी काबुल का गेट वार्ड 31 थाना बनभूलपुरा को कब्रिस्तान गेट के पास संदिग्ध परिस्थितियों में घूमते पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 20 नशीले इंजेक्शन बरामद हुए। पुलिस ने बरामद इंजेक्शन कब्जे में लेकर शाहरुख के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया।

सोशल मीडिया पर अश्लील तस्वीरें अपलोड करने पर मुकदमा

काशीपुर (उद संवाददाता)। सोशल मीडिया की फेसबुक पर अश्लील तस्वीरें अपलोड करने के एक मामले में पुलिस ने वार्ड नंबर 10 मोहल्ला अल्ली खां निवासी सद्दाम हुसैन पुत्र सरफराज हुसैन के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। युवक पर आरोप है कि उसने चाइल्ड पोर्नोग्राफी फेसबुक पर अपलोड कर अश्लीलता फैलाने का प्रयास किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अभियुक्त की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए।

सिर्फ दो लाख में समझौता कराकर गरीबी का उड़ाया मजाकः शर्मा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जीडी गोयनका स्कूल की बस से हुई बालिका की मौत के बाद महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सीपी शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने पीड़ित परिवार से मिलकर ढांढस बंधाया। उन्होंने घटना को दुर्भाग्य पूर्ण बताते हुए बालिका की जान की कीमत मात्र दो लाख रूपये लगाये जाने की निन्दा भी की और परिवार को दस लाख रूपये मुआवजा दिलाये जाने की मांग की। निरीक्षण के बाद महानगर अध्यक्ष ने कहा कि कुछ भाजपा नेताओं ने मृतका के परिवार और स्कूल प्रबंधन के बीच मात्र दो लाख रूपये में समझौता कराकर गरीबी का मजाक उड़ाया है। उन्होंने कहा कि गरीब परिवार की मासूम बच्ची की जान की कीमत मात्र दो लाख लगाना शर्मनाक है। मृतक बालिका की मां बीमार है और पिता विकलांग है। इस हालत के बावजूद परिवार को मात्र दो लाख रूपये मुआवजा दिलाया जाना सरासर अन्यायपूर्ण है। जबकि हादसे में पूरी गलती वाहन चालक की है। श्री शर्मा ने कहा कि ने मानकों के विपरीत एक वृद्ध को स्कूल बस चलाने की जिम्मेवारी सौंपी गयी थी। जो कि लापरवाही का जीता जागता उदाहरण है। इसमें स्कूल प्रबंधन और ट्रांसपोर्टर की घोर लापरवाही सामने आयी है। लेकिन घटना के बाद भाजपा नेताओं ने समझौते के नाम पर पीड़ित परिवार को महज दो लाख रूपये दिलाकर गरीबी का मजाक उड़ाने का जो काम किया है उसका कांग्रेस विरोधी करती है। उन्होंने कहा कि बालिका की मौत से जो असहनीय दुख और क्षति परिवार को हुई है उसकी भरपाई स्कूल प्रबंधन और ट्रांसपोर्टर से कराई जाये। श्री शर्मा ने पीड़ित परिवार को कम से कम दस लाख रूपये मुआवजा दिलाये जाने की मांग की। इस दौरान कांग्रेस नेता गोपाल भसीन, सतीश कुमार, संजय गुप्ता, सुनील आर्य, बाबू विश्वकर्मा आदि भी मौजूद थे।

पैसों के लेन देन को लेकर कस्सी से वार कर की थी अखिल की हत्या

पुलिस ने दस घंटे में किया हत्याकांड का खुलासा,आरोपी गिरफ्तार

सितारगंज(उद संवाददाता)। शक्तिफार्म थाना क्षेत्र में कस्सी से हमला कर युवक की हत्या के मामले का पुलिस ने दस घंटे के भीतर खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या पैसों के लेन देन को लेकर की गयी।सितारगज कोतवाली में खुलासा करते हुए एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने बताया कि फटिक बाला पुत्र बृजवासी बाला निवासी शक्तिफार्म, बैकुण्ठपुर, ने थाने पर लिखित तहरीर दी देकर बताया था कि उसका भाई भाई अखिल बाला उर्फ भोला देर रात्रि महानन्द तालुकदार के घर के सामने अपने दोस्त सुशान्त बढ़ई और जगदीश तालुकदार आदि तीन चार दोस्त के साथ बैठा तभी गांव का रहने वाला नन्दु सरकार पुत्र कालीपद सरकार निवासी शक्तिफार्म भाई के साथ गाली गलौच करने लगा। जिसका विरोध करने पर नन्दु सरकार पुत्र कालीपद सरकार घर से कस्सी लेकर आया और कस्सी से अखिल के गले में वार कर उसकी हत्या कर कर दी। घटना की गम्भीरता को देखते टीमें गठित की गयी। गठित टीम ने आरोपी नंदू सरकार पुत्र कालीपद सरकार को महेन्द्रनगर गांव शक्तिफार्म से गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त कस्सी (फावड़ा) बरामद कर

लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह नशेडी किस्म का है जो मृतक अखिल बाला के घर के पास ही रहता था। अखिल उर्फ भोला उससे घर के छोटे-मोटे काम कराता रहता था जिसके एवज में मृतक ने अभियुक्त को पैसे देने बाकी थे, जिसे अभियुक्त नन्दू काफी समय से मृतक अखिल बाला से मांग रहा था लेकिन वह पैसे देने में आनाकानी कर रहा था तथा पैसे मांगने पर अभियुक्त को गाली गलौज करता था. इसी रंजिश के चलते नंदू सरकार ने बुधवार रात्रि में कस्सी (फावडे) से अखिल बाला के गर्दन पर 2-3 वार कर उसकी हत्या कर दी। घटना का खुलासा करने वाली टीम को एसएसपी ने 2,000 रुपए के नकद ईनाम की घोषणा की है।

जयपुर पाडली गांव में जंगली जानवरों का आतंक, सोलर लाईट लगाने के दिये निर्देश

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। जिलाधिकारी वंदना की अध्यक्षता में गुरूवार को कैम्प कार्यालय हल्द्वानी में जनसुनवाई आयोजित हुई। डीएम ने आम जनमानस की समस्याओं एवं शिकायतों का संज्ञान गंभीरता से लिया जिसमें विभिन्न लोगो ने पेयजल, सडक, विद्युत, पेंशन, अतिक्रमण, विद्युत, आवास, आर्थिक सहायता, आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु राशन कार्ड मे नाम दर्ज, के साथ ही साठ से अधिक शिकायतें व समस्याएं दर्ज हुई। जन सुनवाई के दौरान जयपुर पाडली ग्राम प्रधान कमला पडलिया ने बातया कि ग्राम पंचायत जयपुर पाडली का अधिकतर हिस्सा जंगल से सटा हुआ है जंगली जानवरों का इतना आतंक बढ़ गया है जिसमें जंगल निकटवर्ती घरों में भय का वातावरण बना रहता है और आये दिन घरेलू पशुओं पर हिंसा जैसी घटनाऐं घट चुकी है। उन्होंने बताया कि इन परिवारों के भविष्य की चिन्ता करते हुए इन परिवारों के लिए सार्वजनिक स्थानों पर सोलर लाईट उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। जिस डीएम ने सम्बन्धित प्रभागीय वनाधिकारी एव उरेड़ा अधिकारी को मौके पर स्थलीय निरीक्षण करते हुए आश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। बल्यूटी निवासी हरीश चन्द्र शर्मा ने बताया कि ग्राम सभा बल्यूटी में हर घर नल का कार्य जल संस्थान भीमताल द्वारा कार्य किया जा रहा है जिसमें पेयजल लाईन बिछाने में सब्बल से अनेकों जगह पर मोड़ कर बिछा दी गई है जिसमे एलबो और मिनी बेन्ड का इस्तेमाल नही

किया जा रहा है। बलमधूरा में मेन स्कोल पर टैक बनाने में निम्न गुणवत्ता का इस्तेमाल किया गया है जिसकी जॉच कराना अति आवश्यक है जिस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभिन्यता जल संस्थान को स्थलीय निरीक्षण करते हुए आवश्यक कार्यवाही करते हुए कायो मे मानको के तहत कार्य करने के निर्देश दिये। वार्ड न0 25 हल्द्वानी निवासी मुन्नी नै बताया कि मेरे पति का स्वास्थ्य खराब रहता है जिस कारण आजिविका का कोई साधन नही है उन्होंने अन्तोदय राशन कार्ड बनाने का अनुरोध किया। जिस पर डीएम ने जिला पूर्ति अधिकारी को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिये। ग्राम धनपुर के क्षेत्रवासियों ने बताया कि प्राइमरी में पढ़ने वाले बच्चों को स्कूल जाने में बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है साथ ही बरसात में बच्चों को एवं कॉलौनी के बजुर्गो को भी काफी कठनाईयों का सामना करना पड रहा है उन्होंने बताया कि कई बार बरसात में कॉलौनी में सांप भी देखे गए है जिससे सांप का काटने का डर भी बना हुआ है।

महिलाओं को बताया स्तनपान का महत्व

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। बाल विकास परियोजना के अंतर्गत जगतपुरा भंडार गृह में स्तनपान सप्ताह मनाया गया। इस अवसर पर गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को स्तन पान के सम्बंध में जानकारियां दी गयी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला कार्यक्रम अधिकारी उदय प्रताप सिंह ने स्तनपान के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने महिलाओं को बताया कि छह माह तक शिशु को केवल अपना ही दूध पिलायें। शिशु को शहद,

पानी, घुट्टी आदि कुछ भी न दें। उन्होंने कहा कि छह माह के पश्चात उपरोक्त आहार के साथ दो वर्ष तक स्तनपान अवश्य करायें। इस दौरान सीडीपीओ आशा नेगी ने कहा कि मातायें अपना प्रथम गाढ़ा दूध शिशु को अवश्य पिलायें। स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें। इस दौरान महिलाओं को स्तनपान से संबंधित लघु फिल्म भी दिखाई गयी साथ ही प्रथम गर्भवती महिलाओं को पोषण किट भी वितरित की गयी। इस अवसर पर सुपरवाईजर श्रीमती रीता छाबड़ा, सुधा शर्मा, खष्टी आर्या, प्रभा आर्या, आंचल चौधरी, मोहित सक्सेना, आंगनबाड़ी कार्यकत्री रंजू, मालती, आशा, बसंती, मीरा, नीता डे, सहित अनेक सहायिकायें उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन आंगनबाड़ी कार्यकत्री मालती ने किया।

डीएम को दी योजनाओं की जानकारी

पिथौरागढ़ (उद संवाददाता)। जिला सहकारी विकास समिति की बैठक जिलाधिकारी रीना जोशी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सहायक निबंधक सहकारी समितियां चंद्र सिंह पांगती द्वारा जनपद में संचालित योजनाओं के संबंध में जिलाधिकारी को विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि जनपद में कुल 74 बहुउद्देशीय प्रारंभिक कृषि ऋण सहकारी समितियां (एमपैक्स) कार्यरत हैं। जिनको वर्ष 2018 में ही बहुउद्देशीय बनाया जा चुका है। प्रत्येक एमपैक्स में डाटा फीडिंग का कार्य भी किया जा चुका है। सभी समितियां वर्तमान में चालू है और सभी एमपैक्स प्रत्येक दिन होने वाले लेन देन की यूनाइट ईआरपी सॉफ्टवेयर में प्रविष्ठियां कर रही है व वर्तमान में सभी समितियों में डाटा रिकंसिलेशन का कार्य किया जा रहा है। जनपद में कुल 74 सहकारी समितियां प्रत्येक न्याय पंचायत स्तर पर कार्य कर रही हैं जिसमे दुग्ध उत्पादक समितियां 196, मत्स्य उत्पादक समितियां 04, स्वायत सहकारी समितियां 397 एवम अन्य सहकारी समितियां 63 है। उन्होंने बताया कि सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सहकारी क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना बनाएं जाने हेतु प्रयास किया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रत्येक जनपद में 1 एकड भूमि का चयन किया जाना है जिसका उपयोग करके एमपैक्स को हस्तांतरित किया जा सके। उन्होंने बताया कि चयनित भूमि एमपैक्स के आस पास हो, भूमि ग्राम सभा वन पंचायत की हो या पुराने स्कूल भवन सरकारी भूमि हो। उक्त परिपालन में जनपद में विकास खंड बेरीनाग की एमपैक्स बेरीनाग में भूमि का चयन किया गया है जो वन पंचायत की भूमि है। इसके अलावा जनपद में सभी एमपैक्स को कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में विकसित किए जाने हेतु रजिस्ट्रेशन की कार्यवाही वर्तमान में गतिमान है। वर्तमान तक कुल 20 एमपैक्स को सीएससी सेंटर के रूप में पंजीकृत किया जा चुका है। अन्य समितियों को भी जल्द सीएससी सेंटर के रूप में पंजीकृत कर दिया जायेगा। बैठक में डीएम ने किसान उत्पादक संगठन के गठन किए जाने, प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र आदि की समीक्षा भी की व सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।बैठक में सीडीओ वरुण चौधरी, सीएओ रितु टम्टा, डीडीएम नाबार्ड राकेश कन्याल समेत सम्बन्धित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

पेज एक का शेष...

मासूम बालिका को... तो बिना पीछे देखे ही उसने बस को बैक कर दिया। जिससे बस के पीछे आ रही बालिका नेहा बस की चपेट में आ गई और बस के पिछले टायर से कुचली गई। मौके पर खड़े लोगों ने शोर मचाया तो बस चालक ने बस आगे की। इस दौरान बस से कुचल कर लहुलूहान हालत में नेहा की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही नेहा के परिजन वहां आ पहुंचे और नेहा का शव देखकर उनमें कोहराम मच गया। रोषित लोगों ने बस चालक को पकड़कर उसकी पिटाई कर दी। साथ ही बस को भी क्षति पहुंचाई । इसी दौरान पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल वहीं आ पहुंचे और उन्होंने रोषित लोगों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया। साथ ही घटना पर गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए परिजनों को ढ़ांढस बंधाया। मामले की सूचना मिलते ही कोतवाल विक्रम राठौर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने रोषित लोगों से बातचीत कर उनको शांत कराया। चालक को पूछताछ के लिए अपनी हिरासत में ले लिया। लोगो का कहना था कि इस घटना में बस ड्राइवर की लापरवाही सामने आई है। साथ ही चालक बिना कंडक्टर के बस चला रहा था। एक मैडम कंडक्टर की सीट पर बैठी थी। परिजनों ने आरोप लगाया है कि लापरवाही के चलते उनकी नाबालिक बेटी की जान चली गई है। बस चालक तथा स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए। पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर कोतवाली भिजवाया। साथ ही मृतका छात्रा का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भी दिया। समाचार लिखे जाने तक परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई थी। बताया जाता है कि मृतक बालिका दो छोटे भाईयों सूरज व नैतिक की इकलौती बहन थी। माता पिता दोनों ही मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते हैं।

भूस्खलन से कई लोग... जिला जमुला आंचल जिला करनाली नेपाल, चंद्र कामी पुत्र लाल बहादुर एवं सुखराम रावत पुत्र जोरा निवासी चौरा वार्ड नंबर-2 थाना दिल्ली चौरा जिला जमुला आंचल करनाली नेपाल सहित अन्य लोग शामिल हैं। दोपहर तक चार लोगों के शव बरामद होने की जानकारी मिली थी। जबकि अन्य की तलाश जारी है। वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सचिवालय स्थित आपदा कंट्रोल रूम पहुंचे। प्रदेशभर बारिश से हुए नुकसान के साथ ही उन्होंने गौरीकुंड भूस्खलन की घटना अपडेट लिया। उन्होंने अधिकारियों त्वारित कार्रवाई करने और अलर्ट रहने के निर्देश दिए। उधर मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार सात अगस्त तक प्रदेशभर में भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने कहा, पांच अगस्त के बाद पूरे प्रदेश में अच्छी बारिश होने की संभावना है।

टैक्टर ट्राली की टक्कर से ...थाना क्षेत्र में जसपुर खुर्द इलाके में गैस गोदाम के समीप द्रुतगति से चली जा रही ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से स्कूटी सवार महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की घटती ही मौके पर स्थानीय लोगों एवं राहगीरों का मजमा लग गया। इस दौरान खतरा भाप ट्रैक्टर चालक वहां से फरार हो गया। पुलिस को हादसे की जानकारी मिलने पर उसने मौके पर पहुंचकर मृतका के शव को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए उसे पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया जहां से पीएम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। मृतका का पति भारतीय प्रबंधन संस्थान के आईटी विभाग में कार्यरत बताया जा रहा है। अचानक घटी घटना को लेकर मृतक परिवार में शोक व्याप्त है।

फंदे पर लटकी मिली...बिस्तर पर पड़ा था। शिकायतकर्ता ने पुलिस को दी तहरीर में साफ किया कि उसकी पुत्री ने आत्महत्या नहीं की बल्कि सुनियोजित तरीके से पति व ससुर एवं परिजनों ने मिलकर उसे मौत के घाट उतारने के बाद कानून को गुमराह करने के लिए फांसी पर लटका दिया ताकि यह घटना हत्या की बजाय आत्महत्या प्रतीत हो। मृतका के कोई बच्चे नहीं थे। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति व सास-ससुर के खिलाफ धारा 304 बी के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत करते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए।**गर्भवती महिला ने ...**हुए आत्महत्या कर लिया घटना के कारणों की जांच की जा रही है वही मामले में मृतका के भाई अरुण कुमार ने बताया कि उसकी बहन के ससुराल वाले उसे प्रताड़ित करते थे साथ ही उनका कहना है कि वह इस मामले में न्याय चाहते हैं तथा कोतवाली में रिपोर्ट भी दर्ज कराने की तैयारी कर रहे हैं।

ट्रांजिट कैंप थाना अध्यक्ष...आम जनता के बीच हमेशा सुनी जाती है। अब देखना यह है कि पुलिस के आलाधिकारी ट्रांजिट कैम्प थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने और जनता में पुलिस के प्रति कम हो रहे विश्वास को बनाये रखने के लिए क्या कदम उठाते हैं।

कोतवाल ने अधीनस्थों...जरुरत पड़ने पर पूछताछ भी की जाए। बिना किसी कारण लोगों को परेशान न किया जाए। लंबित विवेचनाओं को समय से पूरा करें। इस दौरान एसएसआई कमाल हसन,एसएसआई अर्जुन गिरी गोस्वामी, आदर्श कालोनी चौकी प्रभारी महेश कांडपाल, बाजार पुलिस चौकी प्रभारी संदीप शर्मा,एसआई जय प्रकाश,एसआई सुनील बिष्ट,एसआई महिला नेहा राणा,एसआई अशोक कुमार,एसआई मुकेश मिश्रा,एसआई अशोक फर्त्याल ,एसआई उमेश रजवार आदि मौजूद थे।

विधायक अरोरा ने स्कूल...करवाई और परिजनों को कहा कि मुख्यमंत्री राहत कोष से भी आपको आर्थिक सहायता दिलवाई जायेगी। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष धर्म सिंह कोली, सुनील यादव, भीमसेन गुप्ता, जितेंद्र मौर्य, रवि दिवाकर सहित आदि मौजूद रहे।

अज्ञात व्यक्ति का शव...बताया कि लावारिस शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पंचनामा की कार्रवाई की जा रही है। शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मृतक की उम्र करीब 32 वर्ष है। समाचार लिखे जाने तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी थी।

जीने की कला

एक राजा था। बात-बात में फांसी की सजा का हुक्म देता था, लेकिन उसकी एक खूबी भी थी। फांसी से पहले मरने वाले की अंतिम इच्छा पूछने जाता था। एक बार उसके मंत्री से गलती हो गई। राजा ने उसे फौरन फांसी पर लटकाने का हुक्म दे दिया। मंत्री के घर मे मातम छा गया। फांसी वाले दिन राजा ने मंत्री से उसकी अंतिम इच्छा पूछी। मंत्री बोला,''महाराज'' एक वर्ष के लिए मुझे अपना घोड़ा दे दीजिए।'' राजा को बड़ा गुस्सा आया। वह बोला,''तुझे फांसी पर लटकना है और तू एक वर्ष के लिए मेरा घोड़ा मांग रहा है।'' मंत्री ने राज खोला,''महाराज, मेरे पास ऐसी कला है,जिसके सहारे मैं घोड़े को उड़ने वाला बना सकता हूॅ। अगर मैं मर जाऊंगा तो मेरी कला मेरे साथ ही मर जाएगी। इसलिए मेरी यह अंतिम सेवा भी ले लीजिए। राजा ने सोचा, चलो एक वर्ष की ही बात है अगर मेरा घोड़ा सचमुच उड़ने लगा तो आस पास के इलाके मे मेरा नाम बढ़ जायेगा। बोला,''ठीक है, अगर घोड़ा नही उड़ा तो अपनी सजा बरकरार समझना।'' सही सलामत मंत्री और साथ में राजा का घोड़ा देखकर मंत्री,पत्नी को आश्चर्य हुआ'' सारी बात सुनकर फिर उदास होकर बोली,''एक वर्ष बाद क्या होगा, क्योकि तुम्हे ऐसी कोई कला तो आती नही।,'' मंत्री ने उसे समझाया,''एक वर्ष किसने देखा है। हो सकता है कि राजा अपना राजपाट ही हार जाए। हो सकता है कि राजा मर जाए और तो हो सकता है कि घोड़ा ही मर जाए। इसलिए जो आज है,उसे जियो। वही जीने की कला है। इसलिए हमें जो प्राप्त है, वही पर्याप्त समझना चाहिए और प्रभु की इच्छा मानते हुए उसे स्वीकार करना चाहिए,तभी हमारा जीवन सफल हो सकता है।

प्रस्तुति-नरेश कुमार सेठ

विद्युत चोरी में चार के खिलाफ केस

काशीपुर(उद संवाददाता)। विद्युत चोरी के अलग-अलग मामलों में पुलिस ने तहरीर के आधार पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस को तहरीर देकर विद्युत विभाग के उपखंड अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि रहमत शाह वाली गली मोहल्ला अल्ली खां निवासी मोहम्मद उमर पुत्र आशिक, सुनहरी मस्जिद थाना साबिक निवासी नसीमा पत्नी मोहम्मद हनीफ, सुनहरी मस्जिद मोहल्ला अल्ली खां निवासी अख्तर अली पुत्र अब्दुल हाकिम, यही के अब्दुल करीम पुत्र अब्दुल रहीम पिछले लंबे समय से एलटी लाइन में कटिया डालकर विद्युत चोरी किया करते थे।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

अपराधी हुए 'बेखौफ' खतरे में पुलिस का 'इकबाल'

पुलिस जुर्माना वसूलने में व्यस्त आमजन की अब कौन करे सुरक्षा ?, अपने घर में भी सुरक्षित नहीं रहे नागरिक कब जागेंगे नगर के नुमाइंदे ?

■ अर्श

रूद्रपुर। मालूम होता है, जैसे उधम सिंह नगर जिले में इन दिनों अपराधियों को पुलिस का कोई खौफ ही नहीं रह गया है ,कदाचित यही कारण है कि बेखौफ अपराधी जिले में एक के बाद एक जघन्य वारदातों को अंजाम देकर पुलिस के इकबाल को लगातार खतरे में डाल रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले ही बेखौफ अपराधियों ने जहां पुलिस के एक दारोगा पर बाइक चढ़ा दी थी, वही अब अपराधियों द्वारा रुद्रपुर शहर के एक घनी आबादी वाले इलाके शिवनगर में, दोहरे हत्याकांड की दुस्साहसिक वारदात को अंजाम देकर एक बार फिर सनसनी फैला दी गई है ।जैसा कि अपेक्षित था दिल दहला देने वाले इस जघन्य हत्याकांड की खबर मिलते ही पुलिस का पूरा अमला ,मय आला अधिकारियों के घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की तफ्तीश में जुट गया ।मौके पर पुलिस पहुंचने के कुछ समय बाद ही घटनास्थल पर क्षेत्रीय विधायक शिव अरोरा भी घटनास्थल पर पहुंचे और घटनास्थल के निरीक्षण एवं मृतक दंपति के पुत्र को सांत्वना देने के बाद, उन्होंने मौके पर मौजूद प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों से भी बात की। यद्यपि समूची बातचीत के दौरान वे शहर में दिनोंदिन बिगड़ती कानून व्यवस्था एवं अपराधियों के बढ़ते हौसले के प्रश्न पर कुछ भी कहने से बचते रहे ,मगर इस प्रश्न की अब और अनदेखी नहीं की जा सकती ।वह इसलिए ,क्योंकि पिछले चार दिनों के भीतर ही उधम सिंह नगर जिले में हत्या की चार वारदातें सामने आ चुकी हैं ।ऐसे में पुलिस की कार्यप्रणाली पर उंगलियां उठना स्वाभाविक है। ट्रांजिट कैंप थाना अंतर्गत अंजाम दिए गए इस दोहरे हत्याकांड के बाद ,जहां शहर के लोग अपनी जान -माल की सुरक्षा को लेकर खासा चिंतित हो उठे हैं, वहीं पुलिस की कार्यप्रणाली के साथ- साथ शहर के आम लोगों की सुरक्षा जरूरतों पर, रुद्रपुर के रहनुमाओं के रवैये पर भी अब सवाल

दागे जाने लगे हैं । ऐसा होना लाजिमी भी है क्योंकि रुद्रपुर नगर की दिनों दिन बढ़ती जनसंख्या एवं तेजी से हो रहे क्षेत्रफल विस्तार के मद्देनजर ,ना तो पुलिस की सक्रियता ही बढ़ी सकी है और ना ही पुलिस कर्मियों की संख्या बढ़ाकर ,उन्हें अपराध नियंत्रण व अनुसंधान के आधुनिक साजो सामान से लैस ही किया गया है । गौरतलब है कि पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मी ना होने के कारण रात्रि गश्त तो प्रभावित होती ही है ,साथ ही आपराधिक घटनाक्रम के बाद कई बार पुलिस के मौके पर पहुंचने में विलंब भी हो जाता है ।कहने की जरूरत नहीं कि किसी शहर की सुरक्षा जरूरतों के अनुरूप, समय-समय पर नगर के विभिन्न पुलिस थाना में पुलिस कर्मियों की संख्या वृद्धि सुनिश्चित कराना तथा बदलते आपराधिक पैटर्न के अनुसार पुलिस को अपराध निरोधक नवीनतम तकनीकी एवं संसाधनों से लैस कराने की सामायिक पहल की जिम्मेदारी, पुलिस कप्तान के साथ-साथ संबंधित शहर के जनप्रतिनिधियों पर भी आयद होती है। जाहिर है कि वे अपनी इस जवाबदेही से सहज ही दामन नहीं बचा सकते । खैर ,बात अगर ट्रांजिट कैंप थाना ,जिसके क्षेत्र अंतर्गत उक्त दोहरा हत्याकांड अंजाम दिया गया है ,की करें तो रुद्रपुर की सभी घनी आबादी वाली बस्तियां प्राय: इसी थाना क्षेत्र में है। लिहाजा आबादी की तुलना में यहां पदस्थ पुलिस कर्मियों की संख्या ऊंट के मुंह में जीरा जैसी जान पड़ती है। बताना होगा की इन बस्तियों में रोज हजारों लोग आते हैं और रोज इतने ही लोग अपने घरों को लौट जाते हैं । इसलिए पुलिस का सत्यापन अभियान भी कारगर नहीं साबित हो पाता। हालांकि देखा जाए तो पुलिस द्वारा किया जाने वाला किरायेदारों का सत्यापन अभियान केवल तात्कालिक रस्म अदायगी ही होता है ,फिर भी पुलिस विभाग द्वारा यह यह कवायद की जाती है और इसे अपराधियों के विरुद्ध एक बड़ी कार्यवाही बताया जाता है। देश अथवा प्रदेश में कोई संवेदनशील मसला सामने आने पर पुलिस ट्रांजिट कैंप की एकाद गलियों के किरायेदारों का सत्यापन कर लेती है और उसके बाद अपने अन्य बेहद जरूरी कार्यों ,मसलन ठेलियों का चालान काटना ,दोपहिया एवं चार पहिया वाहनों से जुर्माना वसूलना, गांधी पार्क में लगने वाले मेलों- ठेलो की व्यवस्था संभालना, सत्ताधारी दल के नेताओं-कार्यकर्ताओं की सुरक्षा एवं खुशामद आदि में व्यस्त हो जाती है। इन बेहद जरूरी कार्यों के बाद अगर पुलिस को कुछ समय मिला ,तो वह जन सामान्य के लिए भी थोड़ा बहुत हाथ पांव हिला देती है। अन्यथा ,जनसामान्य की सुरक्षा तो पहले भी रामभरोसे थी और अब भी राम भरोसे ही है ।

चोरों ने दो बाइकों पर किया हाथ साफ

रूद्रपुर। शहर में बाइक चोरी का सिलसिला थम नहीं रहा है। अज्ञात चोरों ने दो और बाइकों पर हाथ साफ कर लिया। पुलिस को दी तहरीर में वार्ड नं 20 भूतबंगला निवासी मोसिम मियां पुत्र अनीस मिया ने बताया कि 30जुलाई सायं 7:30 बजे वह काशीपुर रोड दानपुर रविवार बाजार करने अपनी बाईक से गया था । उसने अपनी बाईक संख्या यूके 06एएल 3442लॉक करके खड़ी कर दी थी। कुछ समय बाद आकर देखा तो बाईक अपने स्थान पर मौजूद नही थी। आस पडोस में पता किया व बाईक की काफी खोजबीन की लेकिन उक्त बाईक का कुछ पता नही चल पाया।वहीं ग्राम अमरपुर निवासी रविन्द्र सिंह पुत्र प्रीतम सिंह ने तहरीर में बताया कि दो अगस्त को वह अमरपुर गांव स्थित खेत में काम करने गया था उसने अपनी मोटर साईकिल संख्या यूके 06एई-3758सड़क के किनारे खड़ी कर रखी थी। जब खेत से वापस आया मोटर साईकिल वहां पर नही थी। आस पडोस में पता करा गया एंवम अपनी बाईक की काफी खोजबीन कि गई लेकिन पता नही चल पाया। पुलिस ने दोनों मामलों की रिपोर्ट दर्ज कर वाहनों की बरामदगी के प्रयास शुरू कर दिये हैं।

112 वर्षीय पहलवान अब्दुल नबी का निधन

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। लोगों के विभिन्न रोगों व दर्द का देसी दवाओं से उपचार करने में माहिर मशहूर मारूफ अखाड़ा शमशेर हैदरी के उस्ताद 112 वर्षीय अब्दुल नबी पहलवान का गत दिवस निधन हो गया। जिससे शहर में शोक की लहर ज्ञात हो गई। स्व. नबी ने अपने जीवनकाल में 70 सालों तक हजारों लोगों की नि:स्वार्थ निशुल्क सेवा की। जिसमें हड्डी जोड़ने, नाफ -नले सही करने, नसों का इलाज करने और अनेकों प्रकार की शारीरिक बीमारियों का देसी दवाओं से इलाज करने के लिए प्रसिद्ध थे। पहलवान के पास पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान तक से लाइलाज मरीज आते थे और स्वास्थ लाभ लेकर जाते थे। क्षेत्र के लोगों का कहना हैं कि अब्दुल

नबी पहलवान के पास ऐसी कोई चमत्कारी ताकत थी जिससे वो जिस मरीज पर हाथ रखते वो तंदरुस्त हो जाया करता था। अल्मोड़ा अर्बन कोऑपरेटिव बैंक कालाढूंगी रोड के सामने लोहे की दुकान चलाते थे। वह अपने पीछे पुत्र पुत्री व नाती पोते सहित लंबा परिवार छोड़ गए हैं। ठाकुरद्वारा जिला मुरादाबाद से 8 दशक पहले हल्द्वानी आकर इन्होंने अंग्रेजी शासनकाल में हल्द्वानी में अपना कर्मस्थल बनाया था। हजारों लोग इलाज करने के लिए इनके पास दूर-दूर से आते थे।इनके जनाजे की नमाज मस्जिद ए नमरा उजाला नगर बरेली रोड पर हुई और बरेली रोड स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक किया गया। इस अवसर पर हजारों लोग उपस्थित थे। सबने अपनी नम आंखों से अंतिम विदाई दी।